हिन्दी सांध्य दैनिक

# प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 229, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 20 फरवरी, 2024 दिन मंगलवार | गाजीपुर/वाराणसी

## यूपी में आज व्यापार, विकास व विश्वास का माहौल : पीएम मोदी

### ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में 10 लाख करोड़ रुपये की 14 हजार निवेश परियोजनाओं का शुभारंभ

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज लखनऊ में आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में 10 लाख करोड़ रुपये की 14 हजार निवेश परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इससे 34 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा, जो यूपी को 10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के सीएम योगी आदित्यनाथ के सपने को पूरा करने की दिशा में एक अहम पड़ाव है। कार्यक्रम का आयोजन लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में किया जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने देश की एक करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाया है। हमारा संकल्प है कि आने वाले समय में देश की तीन करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाएंगे। इससे लोगों की क्रयशक्ति बढ़ेगी। पीएम मोदी ने कहा कि एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में बनने वाले डिफेंस कॉरिडोर और उद्योगों से भी एमएसएमई को लाभ होगा। पीएम मोदी ने कहा कि सभी लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ मिलना ही सच्चा सामाजिक न्याय और सेकुलरिज्म है। उन्होंने कहा कि पहले लोगों को कागज लेकर एक जगह से दूसरी जगह दौड़ना पड़ता है। मोदी आज उनको भी पूछ रहा है जिनको कोई नहीं पूछता था। आज लोगों को अनाज, पक्का घर और मुफ्त इलाज मिल रहा है। पीएम स्वनिधि योजना से रेहड़ी-पटरी दुकानदारों को लाभ मिल रहा है।

**यूपी में आज व्यापार, विकास और विश्वास का माहौल**- पीएम मोदी ने कहा कि यूपी में बीते सात सालों से डबल इंजन की सरकार है। यही कारण है कि आज यूपी में व्यापार, विकास और विश्वास का माहौल बना है। आज यूपी वो राज्य है जहां देश की पहली रैपिड रेल चल रही है। आज यूपी वो राज्य है जहां सबसे ज्यादा एक्सप्रेस वे हैं। यूपी में नदियों के विशाल नेटवर्क का इस्तेमाल मालवाहक जहाजों के लिए किया जा रहा है। ये दिखाता है कि अगर नीयत हो तो बड़े बदलाव आते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की ग्रोथ स्टोरी को लेकर आश्वस्त है। पूरे देश में मोदी की गारंटी की चर्चा है। पूरी दुनिया भारत बेहतर रिटर्न की गारंटी बन रहा है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर देखा जाता है कि चुनाव के नजदीक आते ही निवेशक निवेश से बचते हैं पर अब निवेशक भी सरकार की स्थिरता को लेकर आश्वस्त था।

**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले, यूपी में लगने वाले उद्योग यहां की तस्वीर बदलने वाले हैं**- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सात-आठ साल पहले हम सोच भी नहीं सकते थे कि निवेश को लेकर यूपी में भी इस तरह का माहौल बनेगा। चारों तरफ से अपराध और दंगों की खबरें आती थीं। अगर उस समय कोई कहता कि यूपी को विकसित प्रदेश बनाएंगे तो कोई सुनने को भी तैयार नहीं होता। आज प्रदेश में हजारों प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो रहा है। यहां पर लग रहे उद्योग यूपी की तस्वीर बदलने वाले हैं।

**यूपी विकास और सुशासन से पहचान बना रहा है**- मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज के ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी से न सिर्फ देश के विकास को गति मिलेगी बल्कि 34 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होंगे। आज यूपी सुशासन और विकास से पहचान बना रहा है। आज लोग कहने लगे हैं कि सुरक्षित निवेश मतलब उत्तर प्रदेश। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अबूधाबी में मंदिर का शुभारंभ करने को लेकर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि आचार्य चाणक्य ने निवेश के बारे में कहा था कि इसके लिए भूमि, जनसंख्या और पूंजी की जरूरत होती है।

### हम 2047 तक आत्मनिर्भर बन जाएंगे : नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली। नाइब डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड में विनिर्माण संयंत्र के उद्घाटन पर नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने बताया कि यह बहुत ही कम समय में बनाई गई एक महत्वपूर्ण क्षमता है। आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने आगे कहा, 'अगर आप देश में रक्षा उपकरण बनाना चाहते हैं तो आपको उपकरण चाहिए, मशीनें चाहिए। यह एक स्वचालित प्रक्रिया है। यह जाहाजों, एयरफ्रेम, पनडुब्बियों पर हथियार प्रणालियों और टॉरपिडो ट्यूब में हथियार ग्रेड उपकरण बनाने की क्षमता में पर्याप्त अंतर लाएगा। हम अपने राष्ट्रीय नेतृत्व से वादा किया है कि हम 2047 तक आत्मनिर्भर बन जाएंगे। इसके लिए हमें उद्योग जगत की मदद की जरूरत है।' नाइब डिफेंस और एयरस्पेस लिमिटेड के विनिर्माण संयंत्र के उद्घाटन पर नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा, 'छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के शुभ अवसर पर इस तरह के संयंत्र का उद्घाटन काफी अच्छा है। इससे हमारे देश की हथियार बनाने की क्षमता आत्मनिर्भरता के देश के नजरिए के साथ आगे बढ़ेगी। भारतीय नौसेना आत्मनिर्भरता के लिए प्रतिबद्ध है।' रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भर भारत की जो बात की थी, वह अब नजर आ रहा है।

## धर्म, जाति के नाम पर देश को तोड़ रहे पीएम मोदी, देश की 73 फीसदी जनता के साथ हो रहा अन्याय : राहुल

प्रतापगढ़। भारत जोड़ो यात्रा में उमड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार देश की 73 फीसदी जनता के साथ अन्याय कर रही है। दलित, आदिवासी, गरीब सवर्ण और पिछड़ी जातियों को उनका वाजिब हक नहीं मिल रहा है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भी आदिवासी, दलित और पिछड़ों की उपेक्षा की गई। राहुल गांधी प्रतापगढ़ के रामपुरखास विधानसभा क्षेत्र के लालगंज में मोदी सरकार की राष्ट्रीय नीतियों की खामियां को गिनाया। उन्होंने कहा कि देश के 73 प्रतिशत पिछड़ों दलितों तथा आदिवासियों व गरीब सवर्णों के हक के साथ नाइंसाफी हो रही है। इंदिरा चौक पर भारी भीड़ के बीच राहुल गांधी ने श्रीरामोत्सव में आदिवासी, दलित पिछड़ों की भागीदारी में उपेक्षा का आरोप लगाया। कहा कि वहां एक भी किसान, गरीब नहीं दिखा। यह भी कहा कि भारत के प्रधानमंत्री धर्म, जाति के नाम पर देश को तोड़ रहे हैं। जनता से सीधा संवाद करते हुए कहा कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत को एक रखने के लिए निडर होकर संघर्ष जारी रखूंगा। ईडी व अन्य एजेंसियों को सरकार की कठपुतली बताया। राहुल गांधी लालगंज में 40 मिनट रहे और खुलसी जीप से 32 मिनट भाषण दिया।

**खाली करा दिया गया घुईसरनाथ मंदिर**- कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा पर निकले राहुल गांधी के घुईसरनाथ धाम मंदिर पर पूजन अर्चन करने के कार्यक्रम को लेकर मंदिर परिसर में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। पुलिस ने मंदिर को खाली करा कर अपने कब्जे में ले लिया और दर्शनार्थियों का प्रवेश पूरी तरह से बंद कर दिया। लगभग 25 मिनट तक मंदिर में राहुल गांधी के आने की खबर पर लोगों का प्रवेश प्रतिबंधित किया गया था। दोपहर लगभग 12. 15 जैसे ही यह जानकारी हुई कि राहुल गांधी घुईसरनाथ धाम मंदिर में न आकर सीधे सांगीपुर निकल जाएंगे,तो पुलिस वालों ने राहत की सांस ली और वहां से सभी पुलिसकर्मी लालगंज, अठेहा हाईवे पर पहुंच गए। राहुल गांधी के घुईसरनाथ धाम मंदिर में दर्शन पूजन कार्यक्रम निरस्त होने पर स्थानीय लोगों का दर्शन पूजन शुरू हो सका।

## अब सपा ने कांग्रेस को दिखाए तेवर, न्याय यात्रा में शामिल होने को लेकर अखिलेश का बड़ा बयान

लखनऊ। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सीट बंटवारा होने पर यात्रा में शामिल होंगे। अभी सीटों का बंटवारा फाइनल नहीं हुआ है। सोमवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि गठबंधन को लेकर अभी बातचीत चल रही है, उनके पास लिस्ट आ गई है, हमने भी उन्हें लिस्ट दे दी है।

जैसे ही सीटों का बंटवारा हो जाएगा, समाजवादी पार्टी उनकी न्याय यात्रा में शामिल होगी। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि कांग्रेस के साथ कई दौर की बातचीत हो चुकी है। कई सूचियां उधर से आई हैं। कई सूचियां इधर से भी गई हैं। जब तक सीटों का बंटवारा नहीं हो जाएगा, तब तक समाजवादी पार्टी उनकी न्याय यात्रा में शामिल नहीं हो पाएगी।

बीएसपी से कांग्रेस की बातचीत पर अखिलेश यादव ने कहा कि कौन सा दल किस दल से बात कर रहा है इस पर मुझे कुछ नहीं कहना। स्वामी प्रसाद मौर्य और हाल के दिनों में हो रहे इस्तीफों पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि लाभ लेने के लिए हर कोई आता है लेकिन मौके पर कौन टिकता है। किसी के मन में क्या है यह कौन बताएगा? क्या ऐसी कोई मशीन है जिससे पता चल पाए कि किसके मन में क्या चल रहा है? लाभ लेकर तो हर कोई चला ही जाता है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर समाजवादी पार्टी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार न तो केंद्र में है और न ही प्रदेश में है, कुछ देने की हैसियत में नहीं है। उन्होंने जो भी दिया है वह मैं उन्हें सम्मान के साथ वापस कर दूंगा। मेरे लिए पद नहीं विचार मायने रखता है। अखिलेश यादव की कही हुई बात उन्हें मुबारक।

## पटियाला में धरने पर बैठे किसान की मौत, मुक्तसर में ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड की जान गई

चंडीगढ़। एमएसपी की कानूनी गारंटी पर रविवार को चंडीगढ़ में किसान नेताओं और तीन केंद्रीय मंत्रियों के बीच चौथे दौर की बैठक हुई। इसमें केंद्र सरकार चार और फसलों पर एमएसपी देने को तैयार हो गई है। केंद्र के इस प्रस्ताव पर बैठक में मौजूद किसान नेताओं ने कहा कि वह सभी संगठनों से बात कर आज इस पर अंतिम फैसला बताएंगे। वहीं हरियाणा के बॉर्डर पर किसान डटे हुए हैं। मुक्तसर में दिल्ली-फाजिल्का राष्ट्रीय राज्य मार्ग टोल प्लाजा गांव माहूआणा पर रविवार की देर शाम किसानों की ओर से लगाए गए धरने के दौरान ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड के जवान को तेज रफ्तार कार ने कुचल दिया। हादसे में होमगार्ड जवान की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पटियाला में कैप्टन अमरिंदर के घर के बाहर दो दिन से प्रदर्शन कर रहे एक किसान की मौत हो गई है। आंदोलन में ये तीसरे किसान की मौत है। इसके अलावा शंभू बॉर्डर पर तैनात एक एसआई की भी मौत हो चुकी है। एमएसपी पर दालें, मक्का खरीदने के केंद्र के पांच साल के प्रस्ताव पर किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि केंद्रीय मंत्रियों ने अपना प्रस्ताव देश के सामने रखा है। हम इस पर चर्चा करेंगे। कल खनौरी में एक किसान

की जान चली गई। हमारा नेतृत्व वहां जा रहा है।

**मान बोले-पंजाब दालें भी उगा सकता है**- विभिन्न किसान संघों के प्रतिनिधियों के साथ केंद्रीय मंत्रियों की बैठक के बाद सीएम भगवंत मान ने कहा कि अगर किसानों को अन्य फसलों पर भी एमएसपी की गारंटी दी जाए तो पंजाब दालें भी उगा सकता है।

## स्वामी प्रसाद ने अखिलेश पर किया पलटवार, बोले- वो किस हैसियत में हैं जो मुझे कुछ देंगे

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पद से इस्तीफा देने के बाद अपनी नई पार्टी का एलान करने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है समाजवादी पार्टी की केंद्र में और राज्य में सरकार है और वो मुझे लाभ दे रहे हैं। उनके द्वारा ऐसी शेखचिल्ली बघारना उचित नहीं है। मैंने हमेशा पद छोड़ा है। मैंने वैचारिकता को प्राथमिकता दी है। विचारों के सामने पद मायने नहीं रखता है। मैंने बहुजन समाज पार्टी में नेता विरोधी दल रहते हुए पार्टी को छोड़ दिया था। सत्ता में रहते हुए मैंने भारतीय जनता पार्टी को छोड़ दिया था। ओबीसी और जनरल की जगह जब जनरल भर्ती किये जा रहे थे तब मैंने भाजपा को छोड़ा था। स्वामी प्रसाद अखिलेश यादव के उस बयान पर जवाब दे रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि लोग लाभ लेने आते हैं और फिर चले जाते हैं।

स्वामी प्रसाद ने कहा कि अखिलेश यादव को बहुत बड़ी गलतफहमी है कि वह विपक्ष में रहकर लाभ दे रहे हैं। रही बात उनके पद की और सम्मान (विधान परिषद सदस्य) की तो उसको भी जल्द छोड़ दूंगा। समाजवादी पार्टी में शेखचिल्ली कौन है के सवाल पर स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि जो बड़बोला होगा वहीं शेखचिल्ली होगा।

इस दौरान वह सपा के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव पर भी बरसे। उन्होंने कहा कि उनकी भाषा में न तो सम्मान है और न बातचीत का सलीका और तरीका आता है। प्रोफेसर रामगोपाल यादव समाजवादी पार्टी के हितेषी हैं या दुश्मन हैं उन्हें कोई अभी तक समझ ही नहीं पाया। नई पार्टी के गठन पर उन्होंने कहा कि मैं 22 तारीख को दिल्ली में रहूंगा। वहीं, पर बैठक के बाद निर्णय लूंगा। वहीं, कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने पर उन्होंने कहा कि अगर अवसर मिलेगा तो जरूर शामिल होऊंगा।

## 'हिंदू महिलाओं पर ऐसा अत्याचार पाकिस्तान में होता है', संदेशखाली मामले पर बीजेपी का हमला

नई दिल्ली। बीजेपी ने संदेशखाली में कुछ शिकायतकर्ता महिलाओं के बयान पर सवाल उठाने के लिए सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने (ममता) बेहद घटिया टिप्पणी की है और अब उन्हें सत्ता से बाहर करने का समय आ गया है।

बीजेपी सांसद लॉकेट चटर्जी ने कहा कि संदेशखाली में महिलाएं स्वयं ही विरोध कर रही हैं और इसमें कोई राजनीति नहीं थी क्योंकि उनकी पार्टी ने केवल पीड़ित महिलाओं की रक्षा करने और उनकी आवाज उठाने की कोशिश की है। उन्होंने यह भी दावा किया कि संदेशखाली में महिलाओं के साथ जो हुआ वह इराक और पाकिस्तान जैसे देशों में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अत्याचार को दशार्ता है। चटर्जी ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता शाहजहां शेख को मुख्यमंत्री बनर्जी द्वारा बचाया जा रहा है। उन्होंने कहा, यही कारण है कि पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर पाई है जबकि शेख के कुछ सहयोगियों को पकड़ लिया गया है। शेख महिलाओं के यौन उत्पीड़न और भूमि हड़पने की शिकायतों में मुख्य आरोपी है। भाजपा सांसद ने कहा, उसे फांसी दी जानी चाहिए। वह मौत की सजा से कम का हकदार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि इलाके में हिंदू महिलाओं को निशाना बनाया गया। मुस्लिम मतदाताओं के स्पष्ट संदर्भ में चटर्जी ने कहा कि आरोपियों को प्रशासन ने पनाह दी क्योंकि टीएमसी को 30 प्रतिशत वोटों की परवाह है। कुछ महिलाओं के बयानों पर सवाल उठाने वाले मुख्यमंत्री के दावे के बारे में पूछे जाने पर चटर्जी ने कहा, वह जो कह रही हैं वह बहुत घटिया है। वे स्वयं ही विरोध-प्रदर्शन कर रही हैं।

## विधानसभा में बोले केजरीवाल, मैं लाल किले पर खड़े होकर कहूंगा कि भाजपा को वोट दें

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में बजट सत्र की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। कार्यवाही शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल विधानसभा पहुंचे और सदन की कार्यवाही में भाग लिया। इसके बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सदन को संबोधित किया और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। इसके अलावा उन्होंने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना से एक अपील भी की। विधानसभा में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम शानदार स्कीम लेकर आए। लोगों को दफ्तर के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। ये लोग स्कीम का विरोध कर रहे हैं। इन लोगों ने हमारी सरकार द्वारा लाई गई ज्यादातर स्कीमों को बंद कर दिया। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि ये लोग इतनी नफरत करते हैं। दिल्ली के अफसर हमारी बात नहीं सुनते हैं। सीएम केजरीवाल ने सदन के अंदर उपराज्यपाल वीके सक्सेना से अपील की। उन्होंने कहा कि अगर आप एक फोन भी कर देंगे तो ये अफसर काम करेंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में 10 लाख से ज्यादा लोगों के पानी के ज्यादा बिल आए हैं। इन्हें ठीक करने की हम योजना लाए हैं। ये लोग उसे भी लागू नहीं करने दे रहे। पर चिंता मत करना, पहले की तरह इसे भी लागू करवाएंगे। इसके लिए हम आंदोलन करेंगे। हम आंदोलन से ही तो निकले हैं। हमने बहुत आंदोलन किए हैं। सदन के अंदर सीएम केजरीवाल ने कहा कि आप लोग हमारे कामों को रोकते रहो, हम काम करते रहेंगे। आपने फरिश्ते योजना को रोका, सीसीटीवी का पैसा रोका, जल बोर्ड का पैसा रोका। आप रोकते रहें, हम काम करते रहेंगे। सदन में अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम दिल्ली जल बोर्ड के गलत बिलों को माफ करने के लिए एक योजना लाना चाहते हैं। लेकिन केंद्र के अधिकारी इसे मंजूरी नहीं दे पा रहे हैं। अगर भाजपा इसे पास करा दे तो मैं लाल किले पर खड़े होकर कहूंगा कि आप लोग भाजपा को वोट दीजिए। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अधिकारी आरोप लगा रहे हैं कि उन्हें ईडी और सीबीआई से गिरफ्तार और निलंबित करने की धमकी दी जा रही है। अगर उन्होंने वन टाइम सेटलमेंट योजना को पास सकते हैं। यह एक असंवैधानिक संकट है। जब अधिकारी कैबिनेट के प्रस्ताव को पारित करने से मना कर रहे हैं। आज हमने इस मामले पर चर्चा की।

## मां ने दो बेटियों को गला घोंटकर मार डाला, बिस्तर में मिले दोनों के अकड़े हुए शव, खुद को भी किया लहूलुहान

रामपुर। रामपुर के स्वार कोतवाली के अगलगा का मझरा लच्छीवाला गांव में मां ने अपनी दो बेटियों रोशनी (10) और महक (5) की गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद आत्महत्या का प्रयास किया। देवर ने बंद कमरे में भाभी और भतीजियों को जगाने के लिए आवाज दी तो हलचल न होने पर मामले का खुलासा हुआ। खिड़की की जाली तोड़कर बच्चों के अकड़े हुए शव बिस्तर पर पड़े मिले। मां संतोष घायल अवस्था में बेसुध थी। उसके पेट पर धारदार हथियार के प्रहार हैं। घटना से गांव में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी मौके पर पहुंचे। कोतवाली क्षेत्र के लच्छीवाला गांव में बैंक से रिटायर्ड गार्ड अमर सिंह का परिवार रहता है। उनके दो बेटे अरविंद (35) और अमित (30) हैं। तीन बेटियों की शादी हो चुकी है। अरविंद उत्तराखंड के बाजपुर स्थित कोल्ड ड्रिंक निमार्ता फैक्ट्री में काम करता है। छोटा बेटा अमित गांव में दुकान चलाता है। अरविंद रविवार की शाम रात की ड्यूटी करने के लिए चला गया था। घर में पत्नी संतोष (33) और दोनों बेटियां थीं। अरविंद के पिता अमर सिंह ने बताया कि देर रात भोजन करने के बाद बहू संतोष अपनी दोनों बेटियों के साथ कमरे में जाकर सो गई। सुबह पूरा परिवार जाग गया लेकिन अरविंद की पत्नी व उसके बच्चे नहीं उठे। अमित ने जाकर देखा तो कमरा अंदर से बंद था। आवाज लगाने के बाद भी कोई उत्तर नहीं मिला। उसने कमरे की खिड़की और उसकी जाली तोड़कर अंदर देखा तो बच्चे बिस्तर पर पड़े और संतोष बेसुध थी। नजारा देख अमित की चीख निकल गई। इसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। कोतवाल संदीप त्यागी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। शवों को कब्जे में लेकर पीएम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया। घायल संतोष को सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

## संपादकीय

# बढ़ती कीमतों और वैश्विक तनाव के कारण महंगाई पर नियंत्रण पाना मुश्किल

भातीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने कहा है कि बढ़ती कीमतों और वैश्विक तनाव के कारण महंगाई पर काबू पाना मुश्किल बना हुआ है। उन्होंने यह भी माना है कि महंगाई पर काबू पाए बिना अर्थव्यवस्था में स्थायित्व ला पाना कठिन बना रहेगा। उनकी बातों को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता। इन दिनों जिस तरह पूरी दुनिया मंदी का सामना कर रही है और युद्धों की वजह से आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित हो गई हैं, उसमें कई चीजों की कीमतें बढ़ गई हैं। उससे निपटने के लिए रिजर्व बैंक ने अपनी रेपो दरों को काफी समय से यथावत रखा है। पहले छह बार इन दरों में बढ़ोतरी कर महंगाई पर काबू पाने का प्रयास किया गया, मगर अभी वे जिस स्तर पर हैं, उससे बहुत सारे घर, वाहन, कारोबार आदि के लिए कर्ज ले चुके लोगों पर मासिक किस्तों का बोझ बढ़ गया है। हालांकि दुनिया के कई बैंकों ने अपनी ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है, जिससे प्रतिभूति बाजारों के बहुत सारे निवेशकों ने उधर का रुख कर लिया है। मगर रेपो दरें ऊंची होने की वजह से भारतीय रिजर्व बैंक के लिए ऐसा करना कठिन है। यह भी ठीक है कि कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव से अनिश्चितता का वातावरण बना हुआ है। इससे तेल की कीमतों में कमी लाने का विचार स्थगित रखना पड़ता है। इसका असर माल ढुलाई और वस्तुओं की उत्पादन लागत पर पड़ रहा है। मगर पिछले कुछ महीनों से भारत में महंगाई का रुख ऊपर की तरफ होने की वजह वैश्विक तनाव को मानना मुश्किल है। इसलिए कि सबसे अधिक महंगाई रोजमर्रा की वस्तुओं, मसलन सब्जी, फल, दूध, अनाज की कीमतों में देखी गई है। इनमें सबसे अधिक महंगाई सब्जियों की कीमतों में दर्ज हुई। जबकि इस मौसम में सब्जियों की आवक अधिक होती है। मौसम भी लगभग अनुकूल ही रहा है। इन वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी का कारण वैश्विक तनाव नहीं माना जा सकता। माल ढुलाई का खर्च जरूर कुछ बढ़ा है, मगर यह कुछ महीनों की बात नहीं है। तेल की कीमतें लंबे समय से ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं, इसलिए माल ढुलाई और खेती में लागत पहले से बढ़ी हुई है। इसका एक पहलू यह भी है कि किसानों को उतनी कीमत नहीं मिल पा रही, जितनी बाजार में उपभोक्ता को चुकानी पड़ रही है। इससे जाहिर है कि महंगाई के पीछे कारण कुछ दूसरे हैं और उन्हें नियंत्रित करने की सख्त जरूरत है। अर्थव्यवस्था में स्थायित्व लाने की कोशिशें लंबे समय से चल रही हैं और रिजर्व बैंक का मानना है कि अगर महंगाई को पांच फीसद की सहनशीलता सीमा तक नियंत्रित कर लिया जाए, तो इस दिशा में कामयाबी मिल सकती है। मगर एक अजीब तरह का असंतुलन बन गया है। विकास दर के सात फीसद रहने का अनुमान व्यक्त किया जा रहा है, मगर लोगों की क्रयशक्ति नहीं बढ़ पा रही, इसलिए कि प्रति व्यक्ति आय घटी है। अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए प्रति व्यक्ति आय का बढ़ना जरूरी है और यह तभी संभव है, जब रोजगार के अवसर बढ़ें। पर, औद्योगिक क्षेत्र का प्रदर्शन निराशाजनक है, इसलिए रोजगार के मोर्चे पर कमजोरी देखी जा रही है। कृषि क्षेत्र पर जैसा ध्यान दिया जाना चाहिए और बदलती स्थितियों के मुताबिक किसानों को जैसी सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए, वैसी नहीं हो पा रही हैं। ऐसे में वैश्विक तनाव के हवाले से बढ़ती महंगाई से पल्ला झाड़ लेना उचित नहीं कहा जा सकता। लोग आखिर अपनी मुश्किलों के हल की उम्मीद किससे करें?

## तभी हमें है आना!

हो पहले स्पष्ट सब ।
तभी हमें है आना ।।
लीपापोती ठीक नहीं ।
यात्रा में भी जाना ।।
दिन अब है नजदीक ।
ना आया बदलाव ।।
देकर के बयान बस ।
रहे कुरेद घाव ।।
खेल लुकाछिपी का ।
बंद न होने वाला ।।
हो ऐसी रणनीति ।
निकले ना दिवाला ।।
अपनी-अपनी योजना को ।
अमल में है लाना ।।
है कोशिश भरपूर ।
हाथ लगे खजाना ।।

-कृष्णेन्द्र राय

# भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे विपक्षी दलों के नेताओं की पूरी साख ही दांव पर है

**योगेंद्र योगी**

गत वर्ष नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव में तीन राज्यों में जीत हासिल करने के बाद यह स्पष्ट हो गया था कि केंद्र की भाजपा सरकार भ्रष्टाचार को लेकर विपक्षी दलों के नेताओं को बख्शेगी नहीं। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जमीन घोटाले में हुई गिरफ्तारी से यह बात साबित हो गई। आश्चर्य यह है कि विपक्षी दल सोरेन की गिरफ्तारी पर भाजपा पर राजनीतिक विद्वेषता से कार्रवाई करने का आरोप तो लगा रहे हैं किन्तु यह एक बार भी नहीं बताया कि देश से भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए उनके पास क्या रोड मैप है। जिन राज्यों में विपक्षी दलों का शासन है, उनमें भ्रष्टाचार के खिलाफ क्या ठोस कदम उठाए गए हैं। इसके विपरीत केंद्र की भाजपा सरकार को समझ में आ गया है कि देश के मतदाता भ्रष्टाचार के खिलाफ उसकी मुहिम के समर्थन में हैं।

कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने केंद्र की भाजपा सरकार को भ्रष्टाचार के आरोपों में घेरने की काफी कोशिश की, किन्तु कामयाबी नहीं मिल सकी। फ्रांस से खरीदे युद्धक विमान राफेल, अडानी और अंबानी को लेकर विपक्षी ने केंद्र सरकार पर कई आरोप लगाए। इन आरोपों को लेकर विपक्षी दलों सुप्रीम कोर्ट में याचिका तक दायर की। सुप्रीम कोर्ट ने इन्हें सारहीन मान कर खारिज कर दिया। इससे भाजपा का नैतिक बल बढ़ गया। भाजपा ने भ्रष्टाचार की मुहिम को तेज करने के साथ ही सोरेने जैसे नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी की कार्रवाई की। विपक्ष भ्रष्टाचार पर बदले की नीयत का आरोप लगा रहा है किन्तु प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा नेताओं की गिरफ्तारी के ज्यादातर मामलों में अदालतों से जमानत तक नहीं मिल सकी। इससे जाहिर होता है कि ईडी और सीबीआई ने ठोस सबूतों के आधार पर कार्रवाई की है। तृणमूल कांग्रेस और आप सहित कई पार्टियों के नेता जमानत नहीं मिलने के कारण महीनों-सालों से जेल में बंद हैं।

अदालतों ने यह माना है कि इन नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार में लिप्त होने के पर्याप्त सबूत मिले हैं। यही वजह है इनको जमानत नहीं मिल सकी, ताकि सबूतों और गवाहों को प्रभावित नहीं किया जा सके। गौरतलब है कि कांग्रेस सहित 14 दलों ने ईडी और सीबीआई पर दुर्भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में जांच एजेंसियों को लेकर भविष्य के लिए दिशानिर्देश जारी करने की मांग की गई थी। विपक्षी दलों का तर्क था कि 2013-14 से 2021-22 तक सीबीआई और ईडी के मामलों में 600 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ईडी की ओर से 121 राजनीतिक नेताओं की जांच की गई है, जिनमें से 95 प्रतिशत विपक्षी दलों से हैं। सीबीआई की ओर से 124 जांचों में से 95 प्रतिशत से अधिक विपक्षी दलों से हैं। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि विशेष मामले के तथ्यों के बिना सामान्य दिशानिर्देश निर्धारित करना संभव नहीं है। सीजेआई ने कहा कि जब आपके पास व्यक्तिगत आपराधिक मामला हो तो हमारे पास वापस आएं। मामले के तथ्यों से संबंध रखे बिना सामान्य दिशा निर्देश देना खतरनाक होगा। इस पर विपक्षी दलों ने याचिका वापस ले ली। ज्यादातर विपक्षी दलों के नेताओं को जमानत नहीं मिलने और सुप्रीम कोर्ट से विपक्षी दलों को मिली हार के बाद भाजपा के हौसले बुलंद हो गए। यही वजह है कि विगत विधानसभा चुनाव और उसके बाद सार्वजनिक तौर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र, गृहमंत्री अमित शाह सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेता भ्रष्टाचार के खिलाफ हुंकार भरते रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री सोरेन की गिरफ्तारी के बाद विपक्षी दलों के कई बड़े नेताओं पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद खतरे की घंटी सबसे तेज तो दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आस पास ही बज रही है। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले का सामना कर रहे हैं। इस मामले में ईडी ने केजरीवाल को चार समन भेजे हैं लेकिन वो अभी तक केंद्रीय जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए हैं। केंद्रीय एजेंसियों की रडार पर करीब एक दर्जन से अधिक विपक्षी नेता हैं। देर-सवेर इनका भी बच पाना मुश्किल है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी पर मनी लॉन्ड्रिंग का मामला है। आरोप है कि रेवंत जब टीडीपी में थे, तो उन्होंने साल 2015 में विधान परिषद के चुनाव के दौरान अपने पक्ष में वोट देने के लिए एक विधायक को कथित तौर पर पचास लाख रुपये रिश्वत के तौर पर दिये थे। आंध्र प्रदेश के चीफ मिनिस्टर और वाईएसआर कांग्रेस के मुखिया जगन मोहन रेड्डी पर भी प्रवर्तन निदेशालय की नजर है। उन पर यूपीए शासन के दौरान ही कई मामले दर्ज हो गए थे। ईडी ने जगन मोहन के खिलाफ 2015 में मनी लॉन्ड्रिंग का नया मामला दर्ज किया था। यह मामला जगन के स्वामित्व वाली भारती सीमेंट्स के पैसों के लेने-देने के आरोप से जुड़ा है। मौजूदा समय में वामदल की सरकार सिर्फ केरल में बची है और वहां भी राज्य के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के खिलाफ ईडी मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच कर रही है। मामला विजयन के बिजली मंत्री रहने के दौरान का है। सीबीआई ने 1995 एसएनसी लवलीन केस में चार्जशीट दायर की थी। यह मामला इडुक्की में जलविद्युत परियोजनाओं के आधुनिकीकरण के लिए कनाडाई फर्म एसएनसी लवलिन को दिए गए अनुबंध में कथित भ्रष्टाचार से जुड़ा है। कांग्रेस नेता और कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार पर कई सालों से सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग की नजर है। साल 2013 से 2018 के बीच 74 करोड़ रुपये की आय को लेकर सीबीआई ने 2020 में कांग्रेस नेता पर केस दर्ज किया। केंद्रीय जांच एजेंसियों की रडार पर लालू यादव का परिवार लंबे समय से है। बिहार के पूर्व सीएम लालू यादव, पूर्व सीएम राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव, मीसा भारती कथित नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में मुख्य आरोपी हैं। इसके अलावा भी लालू यादव पर कई कथित भ्रष्टाचार के मामले दर्ज हैं। कांग्रेस नेता और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा पर भी ईडी की नजर है। हुड्डा की मानेसर जमीन सौदा मामले और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड की पंचकुला में भूमि आवंटन मामले की जांच चल रही है। इसी तरह राजस्थान के पूर्व सीएम और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अशोक गहलोत, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट और सांसद कार्ति चिदंबरम का नाम कथित "एम्बुलेंस घोटाला" मामले में है। कांग्रेस नेताओं पर 2015 में मामला दर्ज किया गया था, जो 2010 में फर्जी तरीके से जिकित्सा हेल्थकेयर को "08 एम्बुलेंस सर्विस" चलाने का ठेका देने से संबंधित है। कंपनी में पायलट और चिदंबरम कथित तौर पर डायरेक्टर थे। कंपनी पर अत्यधिक बढ़ा चढ़ाकर चालान जमा करने का आरोप है।

# चुनावी चंदे के धंधे पर रोक लगा कर सुप्रीम कोर्ट ने लोकतंत्र को मजबूत किया है

**रमेश सर्राफ धमोरा**

सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला देते हुए राजनीतिक दलों के लिए चंदा जुटाने की पुरानी इलेक्टोरल बांड स्कीम को अवैध करार देते हुए इसके जरिए चंदा लेने पर तत्काल रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इलेक्टोरल बांड की गोपनीयता बनाए रखना असंवैधानिक है। यह स्कीम सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व में गठित पांच जजों की बेंच ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया है। बेंच में जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल हैं।

अपने फैसले में चीफ जस्टिस ने कहा है कि पॉलीटिकल प्रोसेस में राजनीतिक दल अहम यूनिट होते हैं। पॉलिटिकल फंडिंग की जानकारी वह प्रक्रिया है जिससे मतदाता को वोट डालने के लिए सही चॉइस मिलती है। वोटर्स को चुनावी फंडिंग के बारे में जानने का अधिकार है। जिससे मतदान के लिए सही चयन होता है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की बेंच ने तीन दिनों तक लगातार सुनवाई करने के बाद 2 नवंबर 2023 को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

याचिकाकताओं एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) सहित अन्य ने केंद्र सरकार की चुनावी बॉन्ड योजना को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुये इन सभी ने इस योजना को लागू करने के लिए फाइनेंस एक्ट 2017 और फाइनेंस

एक्ट 2016 में किए गए कई संशोधन को गलत बताया था। याचिकाकताओं का दावा है कि इससे राजनीतिक दलों को बिना जांच और टैक्स भरे फंडिंग मिल रही है। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 2017 के बजट में चुनावी इलेक्टोरल बांड स्कीम को पेश किया था। जिसे 2 जनवरी 2018 को केंद्र सरकार ने नोटिफाई किया था। इस योजना को उसी समय चुनौती दी गई थी। लेकिन सुनवाई 2019 में शुरू हुई। 12 अप्रैल 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने सभी राजनीतिक दलों को निर्देश दिया था कि वह 30 मई 2019 तक एक लिफाफे में चुनावी बांड से जुड़ी सभी जानकारी चुनाव आयोग को दें। हालांकि कोर्ट ने उस समय इस योजना पर रोक नहीं लगाई थी। बाद में दिसंबर 2019 में याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने इस योजना पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दिया था। इसमें मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से बताया गया था कि किस तरह चुनावी बांड योजना पर चुनाव आयोग, रिजर्व बैंक की चिताओं को केंद्र सरकार ने दरकिनार कर दिया था। इस पर चुनाव आयोग ने भी अपनी नकारात्मक राय दी थी। चुनाव आयोग का मानना था कि चंदा देने वालों के नाम गुमनाम रखने से पता लगाना संभव नहीं होगा कि राजनीतिक दल ने धारा 29(बी) का उल्लंघन कर चंदा लिया है या नहीं। विदेशी चंदा लेने वाला कानून भी बेकार हो जाएगा। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक का मानना था कि इलेक्टोरल बांड मनी लॉन्ड्रिंग को बढ़ावा देगा। इसके जरिए ब्लैक मनी को व्हाइट करना संभव होगा। चुनाव आयोग व रिजर्व बैंक की आपत्ति के बाद सुप्रीम कोर्ट का फैसला अपने आप में ऐतिहासिक माना जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के पहले केंद्र सरकार ने 5 फरवरी को लोकसभा को बताया था कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के माध्यम से 30 किश्तों में 16,518 करोड़ रुपये के चुनावी बांड बेचे गए हैं। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी द्वारा लोकसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा था कि भारतीय स्टेट बैंक से खरीदे गए चुनावी बांड (चरण 01 से चरण 30) का कुल मूल्य लगभग 16,518 करोड़ रुपये है। चौधरी ने कहा था कि केंद्र ने पहले 25 चरणों के लिए चुनावी बांड जारी करने और भुनाने के लिए एसबीआई को 8.57 करोड़ रुपये का कमीशन दिया है। इसके अलावा इसने अब तक सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल) को 1.90 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। चौधरी ने बताया था कि केंद्र सरकार ने 2 जनवरी 2018 को चुनावी बॉन्ड योजना को अधिसूचित किया था। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि स्वच्छ कर भुगतान किया गया पैसा उचित बैंकिंग चैनल के माध्यम से राजनीतिक फंडिंग की प्रणाली में आये। हालांकि दानदाताओं के नाम गुमनाम रहे और सूचना के अधिकार के दायरे से बाहर रहे। ये बांड विशेष रूप से राजनीतिक दलों को धन के योगदान के लिए जारी किए गए थे और इन्हें केवल भारतीय स्टेट बैंक की शाखाओं में ही खरीदा जा सकता था। इलेक्टोरल बॉन्ड से उसी पार्टी को चंदा लेने का अधिकार था जो जनप्रतिनिधित्व कानून-1951 रिपर्जेंटेशन आफ द पिपुल्स एक्ट की धारा 29 के तहत रजिस्टर्ड हो। जिसे लोकसभा या विधानसभा चुनाव में कम से कम 1 प्रतिशत वोट मिला हो। भारत में चुनाव आयोग के समक्ष करीबन 1900 पार्टियाँ पंजीकृत हैं। इनमें सैंकड़ों ऐसी पार्टियाँ हैं जिन्होंने कभी चुनाव ही नहीं लड़ा है। इससे यह साफ हो जाता है कि कुछ तो गड़बड़ जरूर है।

## पुलिस अधीक्षक ने किया अवैध वसूली में चार आरक्षी निलंबित

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने कोतवाली सदर तथा थाना सुहवल से अवैध वसूली की शिकायत मिलने पर चार आरक्षियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इस सम्बंध में पुलिस कप्तान ने बताया कि शिकायत मिलीं थीं कि सुहवल व कोतवाली पुलिस द्वारा अवैध वसूली की जा रही हैं साथ ही पैसा न देने या किसी प्रकार का विरोध करने पर अभद्रता किया जाता है। शिकायत के आधार पर आरक्षी शम्भू प्रजापति, अजित यादव, नवीन पांडेय सुहवल व मुख्य आरक्षी योगेन्द्र यदुवंशी शहर कोतवाली को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया दिया गया है। दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ विभागीय जांच कराईं जा रहीं हैं।

# चुनाव से पहले राजनीतिक दलों के बीच शुरू हो गया है शह-मात का खेल

**ललित गर्ग**

2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर शतरंज की बिसात बिछ रही है। कुछ ही हफ्ते बचे हैं और भारतीय जनता पार्टी एवं सभी विपक्षी दलों ने शतरंज की चालों की तरह अपनी-अपनी चालें चल रहे है। भाजपा एवं इंडिया गठबंधन दोनों ही खेमों में अब हर दिन चुनावी रणनीति को लेकर शतरंज की चालें चलते हुए एक दूसरे को मात देने का दौर चल रहा है, सब अपनी-अपनी व्यूह रचना बना रहे हैं। एक-एक मोहरे को ठीक जगह रख रहे हैं। कोई प्यादों से लड़ने की, तो कोई वजीर से लड़ने की रणनीति बना रहे हैं। कुछ प्यादे, वजीर बनने की फिराक में हैं। भाजपा ने स्वयं की 370 एवं उसके गठबंधन की 400 का लक्ष्य लेकर ही चालें चल रही है। इंडिया गठबंधन एवं विभिन्न राजनीतिक दल भी अपनी चालों को फीट करने में जुटें हैं। शतरंज की एक विशेषता है कि राजा कभी अकेले से शिकस्त नहीं खाता और यही हम आगामी चुनाव के बन रहे दृश्यों से महसूस कर रहे हैं।

राजनीति पल-पल नया आकार लेती है, इसलिये राजनीति में सही वक्त पर सही ढंग से इस्तेमाल करने का हुनर होना अपेक्षित होता है, जो अच्छा चल रहा है उसे बिगाड़ना आना चाहिए और जो बिगड़ रहा है उसे सुधारना आना चाहिए। इसी को कहते है राजनीति। इसी राजनीति के महारथि के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा की रणनीति तीक्ष्ण एवं प्रभावी बनकर सामने आ रही है। शतरंज के खेल की भांति राजनीति में भी कब किस घोड़े को और किस सैनिक को ऊंट को मारना है ताकि धमाकेदार चुनाव परिणाम तक पहुंचा जा सके, ये कला आनी चाहिए। इस कला में भाजपा का कोई मुकाबला नहीं है। वह राजनीतिक शतरंज की चालों में माहिर है और उसकी दृष्टि नये बन रहे राजनीतिक जोड़-तोड़ पर लगी है। भाजपा की एक चाल के बाद विरोधी कितनी चाल चल सकता है,

भाजपा के घोड़े ऊंट सैनिक को मारने के लिए विपक्षी दल क्या चाले चल सकते हैं, इस बात का भाजपा को पहले से ज्ञान है, उसे यह भी पता है कि वह कितने प्यादों को खो सकता है। उसे बचाने का खेल भाजपा खेलने लगी है।

शतरंज में सफेद मोहरों की चाल पहले होती है और हर एक चाल की वरीयता मायने रखती है। ठीक इसी सोच पर भाजपा सभी चुनावी चालों में आगे रहना चाहती हैं। पर शुरूआत किस चाल से करें, जिसकी काट नहीं हो, यह भाजपा अच्छी तरह जानती हैं। तभी उसने प्रभावी एवं दूरगामी राजनीतिक से जुड़ी पहले चलने वाली चाले चलते हुए नीतीश कुमार और जयंत चौधरी जैसे नेताओं को इंडिया गठबंधन से छीन लिया गया है। कांग्रेस के अशोक चव्हान को भाजपा में शामिल करके राज्यसभा में भेजा दिया है। मायावती और चंद्रबाबू नायडू को विपक्ष में जाने से रोक दिया गया है। शिवसेना और राकांपा की दो फाड़ कर दी गयी है। श्रीराम मन्दिर उद्घाटन से हिन्दू वोटों को प्रभावित किया गया है, वहीं पांच राजनीतिक रत्नों को ह्यभारत रत्नह्ल सर्वोच्च पुरस्कार की घोषणा से आम चुनावों को प्रभावित करने का राजनीतिक कौशल दिखाते हुए शह-मात का खेल खेल रही है।

शतरंज के खेल की तरह राजनीति के खेल में भी घोड़ा ढाई घर आगे और ढाई घर पीछे चलकर मारता है, परिपक्व एवं मझे हुए राजनीतिक खिलाड़ियों एवं राजनीतिक दलों की यही चालें शुरू हो चुकी है, जिस कारण सभी विपक्षी दलों के सामने अपने अस्तित्व को बचाने का धर्म संकट है और प्रमुख दलों में भविष्य की राजनीतिक सत्ता को लेकर राजनीति की निष्ठायें पूरी तरह से धूमिल होती हुई भी दिखाई पड़ रही हैं। वर्तमान राजनीति सिद्धांतों पर नहीं रह गई है अब विभिन्न राजनीतिक दल येन केन प्रकरण पद और सत्ता हासिल करके सुख भोगना चाहते हैं और समाज में अपने रुतबे को कायम रखने की होड़ शुरू है। लेकिन सत्ता एवं स्वयं-स्वार्थ की इस होड़ के कारण नुकसान तो लोकतंत्र का ही हो रहा है। इसलिये आज सबकी आंखें और कान राजनीतिक दलों द्वारा प्रतिदिन लिये जाने वाले निर्णयों पर लगे हुए हैं। दोष किसी एक दल का नहीं, बल्कि उन सबका है जो चुनावी संग्राम को एक शतरंज की बिसात बना रखा है। चुनाव की घोषणा से पहले ही जो घटनाएं हो रही हैं वे शुभ का संकेत नहीं दे रही हैं। मतदाता भी धर्म संकट में है। उसके सामने अपना प्रतिनिधि चुनने का विकल्प नहीं होता। प्रत्याशियों में कोई योग्य नहीं हो तो मतदाता चयन में मजबूरी महसूस करते हैं। मत का प्रयोग न करें या न करने का कहें तो वह संविधान में प्रदत्त अधिकारों से वंचित होना/करना है, जो न्यायोचित नहीं है। काले और सफेद मोहरे शतरंज की फर्श पर ही आमने-सामने नहीं होते, पूरा चुनावी परिदृश्य ऐसे ही काले और सफेद रंगों में बंटती जा रही है।

## सात की जगह नौ फेरे लगे विवाह में मोटे अनाज के पकवान का स्वाद चखे बाराती

### पौध रोपण से नव-दम्पति ने किया जीवन की शुरुआत

जखनियां। गाजीपुर।(गौरीशंकर पाण्डेय सरस) तहसील क्षेत्र अंतर्गत मनिहारी विकास खण्ड के यूसुफपुर (खड़बा) गांव निवासी समाजिक कार्यकर्ता एवं यूट्यूबर ब्रजभूषण दूबे की बेटी प्राची भूषण का विवाहोत्सव 17 फरवरी को मऊ जनपद स्थित ब्राह्मण पुरा गांव निवासी इंजीनियर प्रवीण दूबे के साथ सनातन पद्धति से सम्पन्न हुआ।

**मोटे अनाज से बरातियों का स्वागत**- विवाह में बाराती और घरातियों को ज्वार बाजरा रागी तथा अलसी के लड्डू परोसे गए साथ ही भोजन में सावां की खीर ज्वार बाजरे का भात एवं मड़वे की रोटी परोसी गई जिसे खूब चाव से खाया एवं सराहा गया। मिलेट्स (सुपर फूड) के पकवान नई जनरेशन के लिए किसी आश्चर्य से कम नहीं था। बेटी के पिता ब्रजभूषण दूबे ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे विश्व ने वर्ष 2023 मिलेट्स ईयर के रूप में स्वीकार किया है। इसके ग्रहण करने से पोषण तो होता ही है बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। 1968 बैच के आईएएस तथा 49 साल पहले गाजीपुर में जिलाधिकारी रहे डॉक्टर कमल टावरी ने अपने मित्र ब्रज भूषण दूबे की बेटी की शादी में कन्यादान भी किया।

**लगे 9 फेरे**- बहुधा सात फेरे सनातन और हिंदू धर्म की परंपरा के अनुरूप लगाए जाते हैं किंतु इस शादी में कुल 9 फेरे लगाए गए।

आठवां फेरा पर्यावरण को बचाने के तथा नवां फेरा कन्या भ्रूण हत्या न करने के लिए लगाया वर वधू ने।

**चार दिन तक साइकिल चलाकर नेपाल बॉर्डर से लाये गए वृक्ष**- सामाजिक कार्यकर्ता ब्रज भूषण दूबे की बेटी प्राची के विवाह में पर्यावरण मित्र कुशीनगर स्थित रामकोला निवासी जितेन्द्र यादव एवं धर्मू गोड़ द्वारा चार दिनों तक लगातार साइकिल चलाकर आम तथा पाकड़ के 13 फीट लंबे पौधे लाए गए जिसे 18 फरवरी को विदाई के उपरांत सराय गोकुल ग्राम स्थित सिद्ध पीठ ठड़ेश्वरी नाथ मंदिर पर प्राची और प्रवीण ने लगाकर अपने जीवन की शुरूआत पर्यावरण संरक्षण के साथ किया। स्वस्ति वाचन से मंदिर के महंत ओंकारनाथ गिरी एवं पुजारी शुभम तथा सत्यम गिरी ने वैदिक मंत्रोच्चार के अंग-वस्त्रम देकर स्वागत किया। जयप्रकाश नारायण विश्वविद्यालय छपरा के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह मंत्री विजय मिश्रा सेवा निवृत्त आईएएस डॉक्टर कमल टावरी, सेवा निवृत्त डीपीआरओ अंबिका सिंह सैन्य अधिकारी रहे छोटे लाल दूबे द्वारा नव-दम्पत्ति को आशीर्वाद देते हुए ऐसी शादियों पर जोर दिया। संचालन सिद्ध पीठ ठड़ेश्वरी नाथ मंदिर के पीठाधीश्वर ओंकारनाथ गिरी द्वारा किया गया।

## जिम में पसीना बहा रहीं हिना

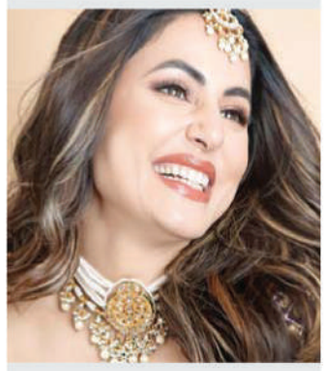

**मुंबई (आईएएनएस)।** 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' फेम एक्ट्रेस हिना खान ने हाल ही में अपने वर्कआउट रूटीन की एक झलक शेयर की। हिना ने बताया कि उन्होंने फिट रहने के लिए अपने वर्कआउट में स्किपिंग और वेट ट्रेनिंग को शामिल किया है। कोलकाता में एक म्यूजिक वीडियो की शूटिंग पूरी करने के बाद हिना मुंबई वापस आ गई हैं। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर हिना ने जिम की एक झलक शेयर करते हुए लिखा, कुल सात किमी दौड़ी,1500 स्किप्स और कुछ बॉडी वेट ट्रेनिंग करनी पड़ेगी, ऑप्शन नहीं है। जिस स्पीड से मैं खाती हूं, माशा अल्लाह, नजर मत लगाना प्लीज.. सारी कैलोरी बर्न कर दूंगी, बस खाना नहीं रुकना चाहिए। मैं डाइटिंग नहीं करती, एक्सरसाइज करती हूं, एक ही तो जिंदगी है, खाओ-पियो मस्त रहो। एक दूसरी स्टोरी में हिना ने जिम में वर्कआउट करते और पसीना बहाते हुए अपना एक वीडियो शेयर किया। इसे कैप्शन दिया, रोशोगुल्ला, कचौरी, बिरयानी, जलेबी, पुचका, चिकन रोल्स सब याद कर-करके मैं वर्कआउट कर रही हूं। अभिनेत्री अपनी कोलकाता यात्रा का जिक्र कर रही थीं, जहां उन्होंने स्वादिष्ट स्थानीय व्यंजनों का आनंद लिया।

# बहुत ज्यादा मछली पकड़ने पर रोक जरूरी

■ यह जैवविविधता को बढ़ावा देने वाला और जलवायु परिवर्तन से निपटने में हो सकता है मददगार

**एक सामान्य लक्ष्य**

यह संयुक्त सहयोगात्मक शोध इस मुद्दे की तात्कालिकता को रेखांकित करता है। अत्यधिक मछली पकड़ने को समाप्त करना न केवल एक पारिस्थितिक अनिवार्यता है, बल्कि जलवायु कार्रवाई के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी भी है। इसके अलावा मत्स्य पालन इस प्रणाली में केवल पीड़ित नही है, बल्कि जलवायु परिवर्तन को बढाने या कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की वास्तविक एजेंसी है। हम अगले सीओपी की तैयारी में जुटे है, इसलिए हमारे लिए इन निष्कर्षो को याद रखना अच्छा रहेगा। समुद्री जीवन को पोषित किए बिना, जलवायु परिवर्तन से निपटना एक कठिन लड़ाई बन जाती है। टिकाऊ मत्स्य पालन प्रबंधन केवल एक पारिस्थितिक आवश्यकता नही है, बल्कि यह एक लचीले और टिकाऊ भविष्य की आधारशिला भी है।

**■ बैंकूवर (द कन्वरसेशन)।**

गर्म होती धरती के बढ़ते खतरों के बीच नवीनतम वार्षिक संयुक्त राष्ट्र वैश्विक जलवायु सम्मेलन (सीओपी 28) के साथ, एक महत्वपूर्ण संदेश जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित चर्चा के दौरान अक्सर छूट जाता है। वह है अत्यधिक मछली पकड़ने को रोकना। यह अपने अपने आप में एक असरदार जलवायु कार्रवाई है। यह तर्क ढेर सारे अध्ययनों का तार्किक परिणाम है जो स्पष्ट रूप से दावा करते है कि अत्यधिक मछली पकड़ने को रोकना ना केवल एक जरूरत है, बल्कि यह महासागर की जीवंतता, सुदृढ़ जलवायु और टिकाऊ मत्स्य पालन पर निर्भर आजीविका के लिए भी फायदेमंद है। जलवायु परिवर्तन और समुद्री पारिस्थितिक तंत्र के बीच का यह जटिल संबंध ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में हाल में किए गए सहयोगात्मक शोध का विषय था। इस शोध रिपोर्ट में अत्यधिक मछली पकड़ने और जलवायु परिवर्तन के बीच अहम संबंधों पर प्रकाश डाला गया है।

**संबंध पाए गए**

अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं की टीम ने साहित्य समीक्षा से लेकर परिमाणात्मक और गुणात्मक ) विश्लेषण तक की कई विधियों को अपनाया और इस शोध के निष्कर्ष आठ प्रमुख बहुआयामी प्रभावों पर प्रकाश डालते है।

■ अत्यधिक मछली पकड़ने पर रोक लगाना ना केवल पारिस्थितिकी जरूरत है बल्कि एक अहम जलवायु कार्रवाई भी है। ऐसा करने से जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर अपने मौलिक स्वरूप में आने के लिहाज से महासागरीय जीवन का लचीलापन बढ़ेगा और कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी।

■ मछली पकड़ने वाली सब्सिडीयुक्त बड़ी नौकाओं का बेड़ा वास्तव में छोटे पैमाने पर मत्स्य पालन पर बोझ बन सकता है जो उन्हें बहुत असुरक्षित कर देगा। अत्यधिक मछली पकड़ने से न केवल संसाधन खत्म होते है बल्कि कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ता है, जिससे मत्स्य पालन करने वालों और उनके समुदायों, विशेषकर महिलाओं पर जलवायु प्रभाव का असर अधिक पड़ता है।

■ यूरोपीय 'हेक स्टॉक' की रिकवरी जैसी सफलता की कहानियां, स्टॉक रिकवरी और मत्स्य पालन से कम उत्सर्जन तीव्रता के बीच सीधा संबंध दर्शाती है।

■ पारिस्थितिकी तंत्र आधारित मत्स्य पालन प्रबंधन प्राथमिकताओं के क्रम को उलट देता है ताकि प्रबंधन कई लक्षित प्रजातियों के अधिकतम दोहन के बजाय पारिस्थितिकी तंत्र पर विचार के साथ शुरू हो।

■ महासागर में भारी धातु का प्रदूषण जैसे पारा या सीसा अपशिष्ट ताप बढ़ने और अत्यधिक मछली पकड़ने के नकारात्मक प्रभावों को बढ़ा देता है। यह प्रदूषण पारिस्थितिकी तंत्र और महासागर टिकाऊ समाधान पर आधारित बहुआयामी नियमों को विकसित करने की आवश्यकता की पुष्टि करता है।

■ अत्यधिक मछली पकड़ने से जलवायु और जैव विविधता के लिए खतरा बढ़ जाता है। जलवायु परिवर्तन कम परिभाषित मौसमों में योगदान देता है और अन्य मुद्दों के अलावा प्रजनन चुनौतियों को पेश करता है। जलवायु परिवर्तन मछलियों में बीमारियों के प्रसार का कारण बनता है।

■ अंतरराष्ट्रीय मत्स्य प्रबंधन को जैव विविधता को बढ़ावा देने और महासागर की कार्बन पृथक्करण क्षमता को बनाए रखने में केंद्रीय भूमिका निभानी चाहिए। 87 देशों ने संयुक्त राष्ट्र की राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार से परे क्षेत्रों की जैव विविधता संधि (हाई सी संधि) पर हस्ताक्षर किए है, लेकिन केवल एक देश ने इसकी पुष्टि की है।

■ महासागर में कार्बन पृथक्करण की विशाल क्षमता है। मत्स्य पालन प्रबंधन में आम तौर पर स्वीकृत अधिकतम टिकाऊ उत्पाद प्रबंधन से कार्बन पृथक्करण को अधिकतम करने से जलवायु लक्ष्यों को आगे बढ़ाया जा सकता है।

# मथुरा में बना ब्रज लोक कला शिल्प संग्रहालय

**■ मथुरा ( वार्ता )।**

ब्रज संस्कृति एवं ब्रज की लोक कलाओं को उकेरने के लिए मथुरा में निजी क्षेत्र में ब्रज लोक कला एवं शिल्प संग्रहालय बनाया गया है, जो यहां आनेवाले तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को यहां की उन कलाओं के बारे में जानकारी देगा जो समय के साथ विलुप्त होती जा रही हैं।

■ संग्रहालय के प्रवेश द्वार पर ही नगाड़ा रखा हुआ है जिसे ब्रज में बम्ब कहा जाता है तथा जो होली में वादन का प्रमुख वाद्ययंत्र है

मथुरा में दो विश्वस्तरीय अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय पहले से ही मौजूद हैं। ये दोनों जैन और बौद्ध धर्म पर आधारित हैं तथा इन दोनों धर्मों की विस्तृत जानकारी देते हैं। इन संग्रहालयों में इतनी दुर्लभ कलाकृतियां है कि विदेशी छात्र अपने शोध के लिए आते रहते हैं किंतु इन दोनों ही संग्रहालयों में ब्रज की उन कलाकृतियों अभाव है जो ब्रज की थाती है। ब्रज लोक कला एवं शिल्प संग्रहालय ब्रज की उस संस्कृति को उकेरने का काम करेगा जो अपने आप में निराली ही नही बल्कि शिक्षाप्रद भी हैं।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र का मानना है कि ब्रज के तीर्थत्व की वापसी के आंदोलन की जीवंत प्रस्तुति इस संग्रहालय में बहुत सुन्दर तरीके से प्रस्तुत की गई है। ब्रज की कलाओं के माध्यम से यहां की संस्कृति का अध्ययन करने वाले शोधार्थियों के लिए संग्रहालय जीवनी का काम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह संग्रहालय यहां आनेवाले तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को यहां की प्राचीन लोक कला एवं शिल्प कला की जानकारी देगा तथा राधा और कृष्ण की उन लीलाओं का भी प्रस्तुतीकरण करेगा जो अभी तक अछूते हैं। ब्रज संस्कृति के विद्वान एवं आध्यात्मिक जगत की हस्ती श्रीवत्स गोस्वामी ने कहा कि श्रीकृष्ण के प्रपौत्र ब्रजनाभ ने महाभारत के बाद संपूर्ण ब्रज को ही श्रीकृष्ण की लीलाओं का संग्रहालय बना दिया था।

इस संग्रहालय को मूर्त रूप देनेवाले डॉ उमेश चन्द्र शर्मा ने बताया कि इस संग्रहालय का विचार उनके मन में अनायास ही आया और जब उन्होंने इसकी चर्चा अपने बेटे स्व विभु शर्मा से की जो कभी नेशनल म्यूजियम दिल्ली में क्यूरेटर थे तो उन्होंने इसका वर्तमान स्वरूप देने का कार्य किया। उनके पास विभिन्न कलाओं से संबंधित अभी बहुत सामग्री है किंतु स्थान के अभाव में वे अभी उनका प्रस्तुतीकरण नही कर पा रहे है। इस संग्रहालय के प्रवेश द्वार पर ही नगाड़ा रखा हुआ है जिसे ब्रज में बम्ब कहा जाता है तथा जो होली में वादन का प्रमुख वाद्ययंत्र है। संग्रहालय को लगभग एक दर्जन बीथिकाओं के माध्यम से उकेरा गया है। संग्रहालय में दो लकड़ी की कृष्ण की अति प्राचीन दुर्लभ मूर्तियां है जिनमें एक में कृष्ण के सिर पर नाग है वहीं दूसरे नाग के फन पर वे खड़े है तथा नाग कमल के फूल पर बैठा है।

## 'ला नीना' के कारण भारत में प्रदूषण स्तर में हुई वृद्धि

नई दिल्ली (भाषा)। जलवायु परिवर्तन के साथ ही अप्रत्याशित 'ट्रिपल-डिप' ला-नीना मौसम संबंधी गतिविधि के कारण 2022-23 के शीतकाल के दौरान एक विशिष्ट रुझान नजर आया, जहां उत्तर भारत में वायु गुणवत्ता में सुधार दिखा, वहीं प्रायद्वीपीय भारत में प्रदूषण स्तर में वृद्धि दर्ज की गई। रविवार को जारी एक नए अध्ययन में यह जानकारी सामने आई। लगातार तीन साल (2022-23) तक ला नीना का सागर एवं दुनिया भर में मौसम पर व्यापक असर रहा।

'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज' के 'चेयर प्रोफेसर' गुरफान बेग की अगुआई में वैज्ञानिकों के एक दल ने यह अध्ययन किया । इस अध्ययन में कहा गया है कि स्थानीय उत्सर्जन के अलावा तेजी से बदलती जलवायु वायु गुणवत्ता को प्रभावित करने वाला एक अहम कारक है। यह अध्ययन 'एल्सेवियर जर्नल' में प्रकाशित हुआ है जिसमें खुलासा किया गया है कि 2022-23 में सर्दियों के दौरान प्रायद्वीपीय भारत के शहरों में वायु गुणवत्ता बहुत बिगड़ गई, जो हाल के दशकों के दौरान नजर आए रुझान के विपरीत है। उत्तर भारत के शहरों में गाजियाबाद में प्रदूषकों के स्तर में 33 प्रतिशत की कमी के साथ वायु गुणवत्ता में काफी सुधार आया जबकि रोहतक (प्रदूषकों में 30 प्रतिशत की कमी) और नोएडा (प्रदूषकों में 28 प्रतिशत की कमी) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। दिल्ली में करीब 10 प्रतिशत सुधार आया।

इसके विपरीत मुंबई में पीएम 2.5 स्तरों में 30 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वायु गुणवत्ता सबसे अधिक बिगड़ गई। प्रायद्वीपीय भारत के अन्य शहरों में कोयंबूटर में प्रदूषकों में 28 प्रतिशत, बेंगलुरु में 20 प्रतिशत और चेन्नई में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उत्तर भारत के कई शहरों में वायु गुणवत्ता 'राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम' के तहत निर्धारित पंचवर्षीय लक्ष्य पर बिल्कुल कम समय में पहुंच गयी। अनुसंधानकर्ताओं का कहना है कि ऐसा क्यों हुआ, यह पहेली बना हुआ है। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान के जलवायु विज्ञानी और इस रिपोर्ट के सह-लेखक आर.एच. कृपलानी ने कहा, 'असामान्य ट्रिपल डिप ला नीना मौसमी गतिविधि के आखिरी चरण के दौरान 2022-23 का शीतकाल आया। 21वीं सदी में यह पहली परिघटना है।

# 200 वर्ष पहले हुई दहेज प्रथा पर लगाम लगाने की कोशिश

**■ तिरुवनंतपुरम (भाषा)।**

दहेज के नाम पर महिलाओं से क्रूर व्यवहार करने और उन्हें प्रताड़ना देने के बारे में सुनने से वर्षों पहले दक्षिण भारत के त्रावणकोर में दूरदर्शी रानी ने दहेज पर लगाम लगाने के लिए पहल की थी। प्राचीन अभिलेखों से इस बात की जानकारी मिली है। महारानी गौरी पार्वती बाई ने ब्राह्मण समुदाय में महिलाओं से शादी करने के लिए अत्यधिक 'वरदक्षिणा' (कुछ समुदायों में दहेज के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द) मांगने की प्रथा पर सवाल उठाया और वर्ष 1823 में इसकी राशि को सीमित करने का फरमान जारी किया। यह क्रांतिकारी फैसला वर्ष 1815 से 1829 की अवधि के दौरान त्रावणकोर (वर्तमान दक्षिणी केरल) पर शासन करने वाली रानी ने लिया था।

■ त्रावणकोर की रानी गौरी पार्वती बाई ने शाही फरमान जारी कर 'वरदक्षिणा' में निश्चित रकम से ज्यादा मांगने पर दी थी सजा की चेतावनी

इतिहासकार बताते हैं कि यह फैसला अपने आप में अधिक महत्व रखता था क्योंकि महारानी ने उस समय मौजूदा सामाजिक प्रथा में हस्तक्षेप किया और अपने देश की महिलाओं के पक्ष में निर्णय लिया भले ही उन्होंने दहेज पर पूरी तरह से प्रतिबंध नहीं लगाया था। हाल के वर्षों में जिस तरह से राज्य भर में महिलाओं पर क्रूर हमलों और दहेज से संबंधित आत्महत्याओं की बढ़ती घटनाएं सामने आ रही है ऐसे में दो शताब्दी से अधिक पुराना शाही फरमान केरल में अब भी महत्व रखता है। हाल ही में इस तरह की एक घटना सामने आई थी, जिसमें एक महिला चिकित्सक ने दहेज के रूप में ज्यादा सोना, लक्जरी कार और संपत्ति की मांग करने वाले मंगेतर के शादी से मुकर जाने के बाद आत्महत्या कर ली थी। आरोपी चिकित्सक को गिरफ्तार कर लिया गया था हालांकि बाद में उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया।

महारानी का 19वीं शताब्दी का यह शाही फरमान अब भी राज्य अभिलेखागार में उपलब्ध है और इस बात का संकेत देता है कि यह खतरा दो शताब्दी पहले भी देश के इस हिस्से में गहराई तक जड़ें जमा चुका था।

रानी पार्वती बाई ने अपने ऐतिहासिक आदेश में 19वीं शताब्दी के दौरान ब्राह्मण समुदाय के 'नंबूथिरी' और 'पोट्टी' वर्गों में महिलाओं की दुर्दशा की ओर इशारा किया। तत्कालीन सामाजिक प्रथाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने अपने आदेश में कहा कि रियासत में प्रचलित व्यवस्था के अनुसार समुदाय की लड़कियों की शादी 10-14 वर्ष की आयु के भीतर कर दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा था, समुदाय के कई परिवार अपनी लड़कियों की शादी करने में असमर्थ थे क्योंकि दूल्हे द्वारा वरदक्षिणा के रूप में एक हजार से दो हजार फणम (एक प्रकार का पैसा) की मांग की जाती थी। उन्होंने वरदक्षिणा के रूप में 700 'कलियान फणम' (एक प्रकार का धन) से अधिक न देने या फिर मांग करने को लेकर सख्त चेतावनी जारी की थी। समुदाय के सभी लोगों से शाही प्रशासन के फैसले का पालन करने का आग्रह करते हुए महारानी ने यह भी कहा था कि जो लोग इसका उल्लंघन करेंगे उन्हें अदालत को सौंप दिया जाएगा और देश के कानून के अनुसार दंडित किया जाएगा।

# टाइम्स स्क्वायर पर नीतू चंद्रा का जलवा

**मुंबई(वार्ता)।** नीतू चंद्रा श्रीवास्तव का जलवा पिछले दिनों अमेरिका के टाइम्स स्क्वायर पर उस वक्त देखने को मिला जब वह म्यूजिकल प्ले उमराव जान अदा के ट्रेलर की शूटिंग कर रही थी। उस समय न्यूयॉर्क शहर के टाइम स्क्वायर पर स्थित बड़ी-बड़ी स्क्रीन पर सिर्फ नीतू चंद्रा श्रीवास्तव के मनमोहक दृश्य नजर आ रहे थे और इस तरह वो अमेरिका की सरजमीं पर भारत का परचम लहराती नजर आ रही थी। यह ट्रेलर ब्लू वेव एंटरटेनमेंट के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज भी कर दिया गया है। इस म्यूजिकल प्ले के ट्रेलर शूट के बाद नीतू चंद्रा श्रीवास्तव ने अपनी एक्साइटमेंट का इजहार किया और कहा कि यह मेरी जिंदगी का सबसे यादगार लम्हा है, जब टाइम्स स्क्वायर जैसे जगह से दुनिया की नजरे मुझे देख रही थी। लेकिन मुझे खुद पर भरोसा था और मैं इस कॉन्सेप्ट के साथ अपना हंड्रेड परसेंट देने का काम किया। उम्मीद करती हूं ट्रेलर दुनिया भर के लोगों को पसंद आए और वह इस म्यूजिकल प्ले को देखने अमेरिका के विभिन्न शहरों में आएं।

# सोशल मीडिया पर लाइक की चाहत 'धूम्रपान की तलब' जैसी

**■ बोल्डर (द कन्वरसेशन)।**

कई लोग सोशल मीडिया की लत की तुलना सिगरेट से करते है। वे कहते हैं कि सोशल मीडिया पर कितने लाइक मिले इसे देखने की इच्छा नई तरह की 'धूम्रपान की तलब' है। अन्य का मानना है कि सोशल मीडिया पर बेचैनी नई प्रौद्योगिकियों के बारे में नैतिक घबराहट का अगला दौर है।

अनुसंधानकार्ताओं ने जांच की है कि सोशल मीडिया युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करता है। 75 प्रतिशत से अधिक किशोर हर घंटे फोन देखते हैं और उनमें से लगभग आधे कहते हैं कि उन्हें ऐसा लगता है कि वे अपने उपकरणों के आदी हो गए हैं। युवाओं ने इस तरह की बाते साझा कीं-

■ 'टिकटॉक ने मुझे परेशान कर रखा है।'
■ 'मैं 1,000 प्रतिशत कहूंगा कि मुझे इसकी लत है।'
■ 'मुझे पूरी तरह से अहसास है कि यह मेरे दिमाग पर कब्जा कर रहा है, लेकिन मैं दूर नही हो पा रहा। इससे मुझे शर्मिंदगी महसूस होती है।'

हो सकता है कि आपकी अपनी भी ऐसी ही भावनाएं रही हों, चाहे आपकी उम्र कुछ भी हो। हालांकि, यह सच है कि सामाजिक प्रौद्योगिकियां धूम्रपान के विपरीत लाभ प्रदान करती हैं। बहुत से लोग अब भी ऑनलाइन बिताए गए समय को लेकर असहज महसूस करते हैं और अक्सर आश्चर्य करते है कि क्या वे आदी हैं। वर्षों के अनुसंधान ने हमारी टीम को इस निष्कर्ष पर पहुंचाया है। शायद एक बेहतर तरीका यह है कि आप मीडिया इस्तेमाल को आहार के रूप में देखें। जिस तरह स्वस्थ आहार लेने के कई तरीके हैं, उसी तरह स्वस्थ और वैयक्ति केंद्रित सोशल मीडिया आदतें विकसित करने के भी कई तरीके हैं।

**उत्तर की तलाश :** सोशल मीडिया के उपयोग पर 2010 के शुरुआती अनुसंधान शरीर पर प्रभाव, खाने की आदतों में विकार और सामाजिक तुलना कर नकारात्मक प्रभाव दिखाते है। इसके विपरीत, अन्य अध्ययन सोशल मीडिया के मानसिक स्वास्थ्य लाभों की ओर इशारा करते है, जिसमें सामाजिक बेहतरी, मजबूत दोस्ती और विविध दृष्टिकोणों का सुलभ होना शामिल है। फिर भी अन्य अध्ययन परस्पर विरोधी परिणाम पेश करते है। वास्तव में, इस विषय पर अनुसंधान करते समय अनिर्णायक या मिश्रित परिणाम एक आवर्ती परिपाटी प्रतीत होती है। इन अध्ययनों में विसंगतियां दो जटिल प्रणालियों, सोशल मीडिया प्रौद्योगिकियों और मानव व्यवहार मनोविज्ञान के बीच स्वस्थ संवाद को चिह्नित करने की बहुत कठिन समस्या को उजागर करती है। एक मुद्दा यह है कि उपयोगकर्ताओं द्वारा अनुभव किया जाने वाला तनाव, चिंता और आत्म-सम्मान की चुनौतियां हर पल अलग-अलग इस पर आधारित हो सकती है कि वे क्या देख रहे है। इस बात पर विचार करें कि सोशल मीडिया पर बिताया गया सारा समय एक समान नहीं होता। उदाहरण के लिए दिन में एक घंटे के लिए दूर के दोस्तों को संदेश भेजने से आपको दिन में 30 मिनट 'डूमस्क्रॉल' (ऑनलाइन बड़ी मात्रा में नकारात्मक समाचार पढने में अत्यधिक समय व्यतीत करने की क्रिया) करने में खर्च करने की तुलना में अधिक संतुष्टि महसूस होगी।

## बाफ्टा के प्रेजेंटरों में नामी सितारों के साथ दीपिका

**नई दिल्ली (आईएएनएस)।** लंदन में रविवार रात आयोजित 'बाफ्टा अवॉर्ड्स 2024' में बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण बतौर प्रेजेंटेटर हुईं। 'बाफ्टा अवॉर्ड्स' को दुनिया के शीर्ष चार फिल्म पुरस्कारों में गिना जाता है। इस साल की ब्रिटिश मूल के

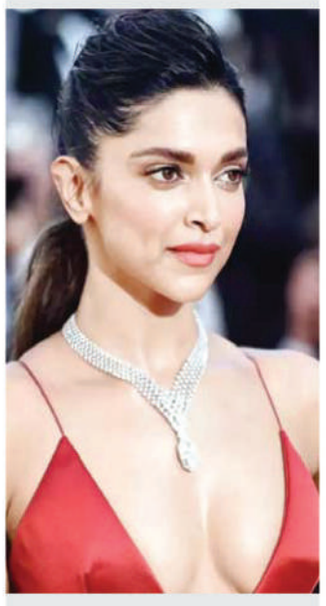

क्रिस्टोफर नोलन की 'ओपेनहाइमर' को सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (सिलियन मर्फी) और सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री (एमिली ब्लंट) और योर्गोस लैंथिमोस की शानदार मूल 'पुअर थिंग्स' सहित 13 नामांकन मिले हैं। बीबीसी डॉट कॉम के अनुसार नोलन सर्वश्रेष्ठ निर्देशक की रेस में पसंदीदा हैं। पोर्टल ने लिखा, उनके पिछले कैटलॉग को देखते हुए जिसमें 'डनकर्क', 'इंसेप्शन' और 'द डार्क नाइट राइजेज' शामिल हैं - विश्वास करना मुश्किल है, लेकिन अगर वह सप्ताहांत में जीत हासिल करते हैं तो यह उनकी पहली बाफ्टा जीत होगी। रिपोर्ट के अनुसार, अगर रॉबर्ट डॉनी जुनियर सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार जीतते हैं।

रामायण

# केवट ने राम से कहा मुझे पैसे नहीं लेने

मैं आपसे हाथ जोड़कर मांग नहीं करूंगा कि मुझे चरण धोने दो। आपको सामनपे से कहना है, लो चरण धो लो। मैं हाथ जोड़कर कहूं कि मुझे चरण धोने दो तो यह मेरी भक्ति नहीं। धन्य है यह भक्ति की तेजस्विता-

**जो प्रभु पार अवसि गा चहरु।**
**मोहि पद पदमु परवार न कहहु ॥**

यदि सचमुच सामने किनारे पर जाना हो तो अभी समय है। आप तीनों अंदर-अंदर चर्चा कर लो फिर कहो कि मेरे चरण धो दो, फिर मैं शुरुआत करूंगा। वैसे दंडवत करके हाथ जोड़कर कहूं कि पांव धोने दो यह नहीं होगा। मैं नहीं मागूंगा। किसलिए मांगू? मांगने की शुरुआत तो आपने की है। मैं तो देने वाला हूं। आपको तो सामने से कहना है। यह तुलसी जी की चौपाइयों के अनुसार है। मैं तो केवल समालोचना करता हूं। पांव मुझे धोने दो। कवि काग की यह पंक्ति गलत है। हमारा केवट कभी भीख नहीं मांगता। वह तो ऐसा कहे-कहहु। बाकी पंक्ति ठीक है। पर मांग करे ऐसा कंगाल केवट नहीं है। वह तो राम को कहता है कि आप सामने से बोलो। मुझे पेसे नहीं लेने हैं। स्पष्टता की है-


मोरारी बापू जी

**पद कमल धोई चढ़ाई नाव न नाथ उतराई चहौं।**
**मोही राम राऊरि आन दशरथ शपथ सब साची कहौं।।**

आप चरण धोने के लिए कहो तो मैं चरण धो लूं। फिर आप बैठ जाओ। आपसे एक पैसा नहीं लूंगा क्योंकि मैं जानता हूं कि मुझे देने के लिए आपके पास कुछ नहीं है। आपके पास सुविधा होती तो आप नौका मांगते ही नहीं। आप नौकावानों को बुलाते कि नौकावालों यहां आओ हमें बिठा लो। पर आपने मांग की है। इसका प्रमाण है कि आपके पास पैसा भी नहीं है। नहीं तो मांगते नहीं। कौन मांगता है। जिसके पास कुछ न हो, यह हकीकत है।

# मां की वह साधारण बात

मां कहती-नहीं-नहीं, बड़ी नहीं छोटी-छोटी लगा। शुरू-शुरू में छोटी लकड़ी एक बार आग पकड़ जाएगी, तो बड़ी लकड़ी। मां ने बात बड़ी साधारण सी की। चूल्हे में लकड़ी जलाने की बात की है, पर फरीद के मन में क्या बात आ गई कि छोटी उम्र में अगर मैं अपने रब से प्यार करने लग जाऊंगा तो फिर इसी जीवन में मैं अपने मालिक का दीदार कर लूंगा। बड़ा हो गया तो शायद फिर कुछ न हो पाए। मां से पूछते हैं-मां! तो फिर इसी उम्र में तू मालिक की राह में लगा दे, बुड्ढे होकर तो माला भी न फिरेगी। कहां फिरती माला? अच्छा, माला फेरते भी हैं तो भूल जाते हैं कितनी माला फेरी। वाह भईऍाह! कौन सा जीवन का हिस्सा है जिस हिस्से में खोज होनी चाहिए? मेरे देखे जवानी ही एक ऐसी उम्र है जिस उम्र में आप खोज कर सकते हैं, साधना कर सकते हैं। इसलिए सत्संग में मेरे देखे नौजवानों को तो जरूर आना चाहिए। बूढ़ा आदमी जिंदगी जी चुका, जैसी भी जीनीऍथी। देखो न जी, ठेडे खाते, गिरते-पड़ते जैसे-तैसे जिंदगी को बिता गया है और फिर बाद में पछताता है, हमको तो जीना नहीं आया। तो जीना सीखना पड़ता है। जिंदगी मिल गई, श्वासें आ-जा रही हैं, इसका नाम जीवन नहीं है। जीवन को जीना भी एक कला है। तो मैं कह रही थी सत्संग सुनने से आदमी कर्मठ हो। अगर कर्मठ नहीं हो रहा है तो मलब उसके सुनने में जरूर कुछ दोष है। जरूर उसने ठीक से समझा नहीं। अब लोग अक्सर यह कहते हैं कि ज्यादा सत्संग सुनो तो दुनिया के काम के नहीं रहोगे। वैसे एक चीज है, मेरी तो सोच ऐसी हैऍ


गुरु मां

**जो तेरे लिए खराब हो जाता है,**
**हर शय में वो कामयाब हो जाता है।**
**बेनूर है ये दिल जलने के बगैर,**
**जलता है तो आफताब हो जाता है।**

अरे, हो जाए खराब यह जिंदगी उसे नाम उसके सुमिरन में तो भी क्या?

फजाइले अमाल



# शैतान तो हर बदन में खून की तरह चलता है

पैगंबर साहब का इर्शाद है कि शैतान आदमी के बदन में खून की तरह चलता है। इसके रास्तों को भूख से बंद करो। तमाम आजा का सेर होना नफ्स के भूखा रहने पर मौकूफ है। जब नफ्स भूखा रहता है तो तमाम आजा सेर रहते हैं और जब नफ्स सेर होता है, तो तमाम आजा भूखे रहते हैं। दूसरी गरज रोजे से फुकरा के साथ तशब्बुह और उनके हाल पर नजर है। वह भी जब ही हासिल हो सकती है, जब सहर में मेदे को दूध-जलेबी से इतना न भर ले कि शाम तक भूख ही न लगे। फुकरा के साथ मुशाबहत जब ही हो सकती है, जब कुछ वक्त भूख की बेताबी का भी गुजरे। बिश्र् हानी (रह.) के पास एक शख्स गए। वही सर्दी से कांप रहे थे और कपड़े पास रखे हुए थे। उन्होंने पूछा कि यह वक्त कपड़ा निकालने का है। फरमाया कि फुकरा बहुत हैं और उसमें इनकी हमदर्दी की ताकत नहीं। उतनी हमदर्दी कर लूं कि मैं भी उन जैसा हो जाऊं। मशाइख सूफिया ने आम्मतन इस पर तम्बीह फरमाई और फुकहा ने भी इसकी तसरीह की है। साहिबे मराकियुल फलाह रह. लिखते हैं कि सहूर में ज्यादती न करे। जैसा कि मुतनाअिम लोगों की आदत है कि यह गरज को फौत कर देता है। अल्लामा तहतावी रह. इसकी शरह में तहरीर फरमाते हैं कि गरज का मक्सूद यह है कि भूख की तल्खी कुछ महसूस हो, ताकि ज्यादती-ए-सवाब का सबब हो और मसाकीन व फुकरा पर तरस आ सके।

# बहुत अलौकिक है ध्यान की दुनिया

अगर भारत अपनी संतानों को खूबसूरत देखना चाहता है, सर्वगुण सम्पन्न देखना चाहता है तो फिर कार्य तो भारत की स्त्री पर ही करना होगा। बहुत सुंदर है विज्ञान का जगत, जहां पहले जाना जाता है, फिर करके देखा जाता है, लेकिन बहुत आलौकिक है ध्यान का जगत, जिसमें पहले किया जाता है और फिर जाना जाता है। विज्ञान में ज्ञान के बाद कर्म है और ध्यान में कर्म के बाद ज्ञान है। संतों के आशीषों के फलीभूत होने की वजह से और हमारे जन्मों-जन्मान्तरों के पुण्य तत्वों के फलस्वरूप ही श्री हरि की कृपा होती है। हम सबके चित्र को धन्यता के भाव से भर देने वाला बोध और नश्वर जगत से वैराग्य कराकर सत्य तत्व के साथ जोड़ देने वाली वृश्रि हमें प्रभु ही तो देते हैं। एक दिन हमारा मन हुआ कि जो प्रभु सबको कुछ ना कुछ देता है, चलो आज हम उसे ही कुछ दे डालें। हमने कहा -'प्रभु, आज तुम्हें कुछ देने का मन कर रहा है। आश्चर्य से प्रभु ने कहा -'तुम मुझे क्या दोगे? मैं तो सबको देता हूँ। देखो, दुनिया भर के मंगते मेरे पीछे चलते हैं। किसी को लोक चाहिए, किसी को परलोक। किसी को अनुराग चाहिए, तो किसी को वैराग्य। किसी को प्रवृत्ति चाहिए तो किसी को निवृत्ति। मैं ही तो हूं जो सबको सब कुछ देता हूँ। अरे! तुम मुझे क्या दोगे?' हमने कहा - 'प्रभु, आपके पास एक चीज नहीं है और वह हम आपको देना चाहते हैं। आपके पास सब कुछ है सांवरिया, लेकिन आपके पास आपका मन नहीं है, क्योंकि वह मन तो आपने श्री किशोरी जी को दे दिया है, इसलिए आज हम अपना मन आपको देना चाहते हैं। हमारे मन रूपी रतन को स्वीकार करो। हमारे परमेश्वर आप बन जाओ। हमारे मन के स्वामी आप बन जाओ। ऐश्वर्य तो केवल ईश्वर का होता है, वह हमारा नहीं हो सकता। हम तो स्वयं को मिले हुए की चौकीदारी भर करते हैं। वास्तव में होना तो यह चाहिए कि जो ईश्वर की कृपा से प्राप्त हुआ है उसे उचित जगह पर पहुंचाओ। जहां भूखे हैं, वहां रोटी पहुँचाओ। जहां प्यास है, वहां जल की तृप्ति पहुंचाओ। जहां भूखे हैं, वहां रोटी पहुंचाओ। जहां प्यास है, वहां जल की तृप्ति पहुंचाओ। जो मन प्यार को तरसते हैं, उन पर अपना प्यार लुटाओ। लेकिन यह कैसे होगा? तुम अनाथ आश्रमों में जाते हो और पंक्तियां लगाकर खड़े हुए बच्चों को वस्त्र बांटते हो, भोजन या फल बांटते हो। वह तुम्हारे आगे हाथ फैलाकर खड़े रहते हैं। यह शोभा नहीं देता कि नन्हें बच्चे हाथ फैलाएं। आखिर ऐसा करने से किसका भला हुआ? देने वाले ने कहा कि 'मैं दाता हूं' और लेने वाले ने सोचा कि 'मैं बेचारा हूं।' पहला अभिमान का रोगी हो गया और दूसरा हीन भावना से ग्रसित हो गया। यह तो उचित नहीं है, अच्छा नहीं है। किसी को रोटी खिलाना बड़ी बात नहीं बल्कि उसे रोटी कमाने लायक बनाना बड़ी बात है। हमारा मन ही है जो हमें विवश करता है इसीलिए हम अपनी जय-जयकार सुनना चाहते हैं। दुनिया हमारा प्रशस्ति गान करें, हमारे सारे प्रयत्न बस इसी सोच के आसपास केन्द्रित होते हैं। दान-पुण्य भी हम इसीलिए तो करते हैं। रोज हमारी पूजा चुपचाप और फटाफट निपट जाती है, लेकिन जिस दिन कोई मेहमान घर में आया हुआ हो फिर उस दिन देखो, जोर-जोर से मंत्रोच्चार होता है। पूजा-पाठ कुछ ज्यादा देर तक ही चल जाता है। ताकि आने वाले को मालूम पड़ सके कि हम कितनी धार्मिक वृश्रि के हैं। मैंने अपने सामाजिक जीवन में ऐसे बहुत ही कम लोग देखे जो अपने दान का गुणगान नहीं चाहते हों। आश्रमों की दीवारें भर जाती हैं दानदाताओं की नाम पट्टिकाओं से। सीढ़ियों तक पर दानियों के नाम खुदवा दिये जाते हैं, जबकि भारतीय दर्शन तो ये कहता है कि एक हाथ से दिया गया दान दूसरे हाथ को भी पता नहीं चलना चाहिए। दान कब पुण्य बनता है? जब हम जरूरतमंद की सहायता कर दें और उसे पता भी न चले कि किसने बुरे समय में उसका साथ दिया। ऐसे में न तो आपको अपने दिए का अभिमान होगा और न ही लेने वाला हीन भावना से ग्रस्त होगा। भारत के ऋषियों ने तो हमें बहुत कुछ ऐसा दिया है, जिसे पाने के बाद फिर जीवन में संपूर्णता आ जाती है, जीवन आत्मिक आनन्द से भर उठता है।


दीदी मां ऋतंभरा

# बहुत जरूरी है एकाग्रता

संतमत सिद्धांत



**महान पवित्र पुस्तक 'गुरुमत सिद्धांत 84 विषयों वाला' के बाद 'सन्तमत सिद्धांत' श्री राधा स्वामी सत्संग ब्यास जी की ओर से इस पृथ्वी पर हर इंसान के लिए ऐसी अनूठी कृति है कि जीवन सुखी रह सकता है। महाराज सावन सिंह जी रचित 'सन्तमत सिद्धांत' के समर्पण में चरन सिंह जी महाराज ने लिखा है कि गुरुवाणी के गूढ़ विषयों को आसानी से समझना और पालन करने तक की विवेचना 'सन्तमत सिद्धांत' में की गई है। महाराज सावन सिंह जी ने 'सन्तमत सिद्धांत' में जो कुछ मानवता के लिए समर्पित किया, इस महान संकलन को हम अपने पाठक प्रेमियों की भारी मांग पर अक्षरशः प्रस्तुत कर रहे हैं ताकि वे व्यावहारिक जीवन में एक-दूसरे से प्यार कर सकें, परोपकार कर सकें, जोकि सन्तमत सिद्धांत का वास्तविक उद्देश्य है। - संपादक**

बिनु गुर रोगु न तुटई हउमै पीड़ न जाइ॥
-गुरु अमरदास (आदि ग्रन्थ, पृ. 36)

हउमै मूलि न छुटई विणु साधू सतसंगै॥
- गुरु अर्जुन देव (आदि ग्रन्थ, पृ. 1098)

अनहद बाणी पाईऐ तह हउमै होइ बिनासु॥
सतगुरु सेवे आपणा हउ सद कुरबाणै तासु॥
- गुरु नानक देव (आदि ग्रन्थ, पृ. 21)

नानक मुकति दुआरा अति नीका
नान्हा होइ सु जाइ॥
हउमै मनु असथूलु है किउ करि विचु दे जाइ॥

आप फरमाते हैं कि जो लोग अपना ध्यान अंतर में एकाग्र करके नाम रूपी अमृत को पी लेते हैं, उनके मन की सब तृष्णाएं शांत हो जाती हैं, उन्हें सहज अवस्था प्राप्त हो जाती है और वह सदा के लिए काल तथा मृत्यु के भय से मुक्त हो जाते हैं। गुरु अमरदास जी की वाणी है:

घर ही महि अंम्रितु भरपूरु है मनमुखा सादु न पाइआ॥
जिउ कसतूरी मिरगु न जाणै भ्रमदा भरमि भुलाइआ॥
(आदि ग्रन्थ, पृ. 644)

आप चेतावनी देते हैं कि जिस तरह कस्तूरी हिरण की नाभि में होती है, परंतु वह उसकी तलाश में बाहर भटकता है, उसी तरह नाम रूपी अमृत अंतर में है, परंतु मनमुख उसकी तलाश में बाहर भटकते हैं, इसलिए उन्हें कभी भी सच्चे अमृत और अमर पद की प्राप्ति नहीं होती।

**वाणी**

अंम्रितु साचा नामु है कहणा कछू न जाइ॥
पीवत हू परवाणु भइआ पूरै सबदि समाइ॥
- गुरु अमरदास (आदि ग्रन्थ, पृ. 33)

जितने रस अन रस हम देखे सभ तितने फीकाने॥
हरि का नामु अंम्रितु रसु चाखिआ मिलि सतिगुर मीठ रस गाने॥
- गुरु रामदास (आदि ग्रन्थ, पृ. 169-70)

नउ निधि अंम्रितु प्रभ का नामु। देही महि इस का बिस्रामु॥- गुरु अर्जुन देव (आदि ग्रन्थ, पृ. 293)

गुर का सबदु अंम्रितु है जितु पीतै तिख जाइ॥
इहु मनु साचा सचि रता सचे रहिआ समाइ॥
- गुरु अमरदास (आदि ग्रन्थ, पृ. 35)

हरि का नामु अंम्रितु कलि माहि॥ एहु निधाना साधू पाहि॥
- गुरु अर्जुन देव (आदि ग्रन्थ, पृ. 888)

काइआ अंम्रिति रही भरपूरे पाईऐ सबदि वीचारी॥
जो प्रभु खोजहि सेई पावहि होरि फूटि मूए अहंकारी॥
- गुरु अमरदास (आदि ग्रन्थ, पृ. 911)

रतन पदारथ माणिक मोती, हीरौं का दरिया।
चिंतामणि चित राम धन, घट अमृत भरिया॥
(दादू दयाल की बानी, भाग 1, पृ. 152)

गुरमती मनु निरमला रसना हरि रसु पीजै राम॥
रसना हरि रसु पीजै अंतरु भीजै साच सबदि बीचारी॥
अंतरि खूहटा अंम्रिति भरिआ सबदे काढि पीऐ पनिहारी॥
- गुरु अमरदास (आदि ग्रन्थ, पृ. 570)

तन सरवर मन देखु बिचारी। ता में सलिता तीन सुधारी॥
वा में मानसरोवर अहई। हंस बंस कौतुक तहं करई॥
चूंगहिं मोती निर्मल नीका। झलकि परै मनि मस्तक टीका॥(दरिया सागर, पृ. 58)

घट में भरो है मान सरोवर मोती चुगै मराला।
घट में ऊंचा ध्यान शब्द का सोहं सोहं माला।
घट में बिन सूरज उजियारा राति दिना तहिं सूझै।
अमृत भोजन भोग लगतु है बिरला जन कोइ बूझै।
(चरनदास की बानी, भाग 1, पृ. 49)

अंम्रितु सदा वरसदा बूझनि बूझणहार॥
गुरमुखि जिन्ही बुझिआ हरि अंम्रितु रखिआ उरि धारि॥
- गुरु अमरदास (आदि ग्रन्थ, पृ. 1281)

देहु कलाली येक पिआला, ऐसा अवधू होई मतिवाला।
कहै कलाली पिआला देऊं, पीवन हारै का सिर लेऊं।
ऐरी कलाली तैं क्या कीआ, सिर कै साटै पिआला दीआ।
सिरकै साटै महंगा भारी, पीवैगा अपना सिर डारी।
चंद सूर दोउ सनमुख होइ, पीवै पिआला मरै न कोई।
सहज सुंनि मैं भाटी स्रवै, पीवै रविदास गुरुमुखि द्रवै।
(रविदास-वाणी, पद-50)

# घर में न रखें ये चीजें

कई बार ऐसा देखने को मिलता है कि व्यक्ति जीवन में अधिक मेहनत करता है, लेकिन इसके बाद भी उसको आर्थिक तंगी की समस्या का सामना करना पड़ता है और जीवन में सुख-समृद्धि की परेशानी सदैव बनी रहती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, अगर आप अपने घर के वास्तु दोष को सही करते हैं, तो इन सभी समस्याओं से निजात पा सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि घर का वास्तु दोष सही होने से नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। वास्तु शास्त्र में इस बात का जिक्र किया गया है कि घर में कुछ चीजों को रखने से वास्तु दोष उत्पन्न होता है। इसलिए घर में कुछ चीजों को भूलकर न रखें। आइए जानते हैं कि घर में किन चीजों को रखना बिल्कुल भी ठीक नहीं है।



**वास्तु दोष के उपाय**

-घर के मेन गेट पर टूटी कुर्सी न रखें। कहा जाता है कि घर के मुख्य द्वार पर टूटी कुर्सी रखने से घर में दरिद्रता का वास होता है। इसके अलावा घर के गेट पर टूटा खंभा होने से वहां धन की देवी मां लक्ष्मी वास नहीं करती हैं।

अगर आप घर में वास्तु दोष का सामना कर रहे हैं, तो इसका कारण घर में रखी हुई पुरानी मैग्जीन और अखबार हो सकते हैं। वास्तु के अनुसार ऐसा करने से अशुभ माना जाता है। यही वजह है कि इनको इकट्ठा होने से पहले ही घर से बाहर कर दें।

-घर में बंद या खराब घड़ी भूलकर भी न रखें। कहा जाता है कि ऐसा करने से इंसान की तरक्की के मार्ग में रुकावट उत्पन्न होती है। इसलिए अगर आपके घर में बंद घड़ी है, तो उसे जल्द सही कराएं और खराब घड़ी है, तो उसे घर से बाहर करें। मान्यता है कि घर में रुकी हुई घड़ी होने से इंसान का बढ़िया समय रुक सकता है।

बाइबल की कहानियां



# यशायाह और राजा आहाज

जिस वक्त आहाज जुडाह के राजा हुआ करते थे। उस समय राजा आहाज को पड़ोस के देशों से धमकी मिल रही थी। सीरिया के सैनिक उत्तर से जुडाह पर आक्रमण करना चाहते थे और पश्चिम से फिलिस्तीनी भी आक्रमण कि तैयारी कर रहे थे। वह राजा आहाज के लिए बहुत ही संकट का समय था। युद्ध से बचाने के लिए आहाज युद्ध के देवता को प्रसन्न करना चाहता था। इसके लिए उसने अपने पुत्र कि बलि चढ़ा दी। जब यशायाह को यह बात पता चली तो यशायाह राजा आहाज के पास गए और उनसे कहा, आहाज तुम जो कर रहे हो वो पाप है तुमने अपने बेटे कि बलि चढ़ा दी । यह पाप है। तुहे यह बात किसने बताई। आहाज ने यशायाह से पूछा। यशायाह ने आहाज को जवाब देते हुए कहा, ईश्वर सब देखते है और उनसे कुछ भी नहीं छुपता। तुमने जो भी किया है वह पाप है और इसके लिए ईश्वर तुमसे नाराज है। ऐसे में आहाज दुखी होकर बोला, हम चारों तरफ से सैनिकों से घिरे हुए है। दूसरे देश के सैनिक कभी भी यहां हमला कर सकते है। युद्ध के देवता को खुश करने के लिए मुझे यह करना पड़ा। युद्ध के देवता के बारें में सुन कर यशायाह क्रोधित हो उठे और उससे कहा, तुम बेवकूफ हो जो इस बात पर आ गए। हमारा ईश्वर कभी हमें अकेला नहीं छोड़ेगा वह हमारे साथ है। ईश्वर इस बार भी हमारी सहायता करेगा। आहाज और यशायाह के बीच लम्बी बहस होती रही। और आहाज किसी और ईश्वर को मानने को राज़ी नहीं था। इसीलिए यशायाह ने उसे एक चीन मांगने को कहा। एक ऐसा चिन्ह जो ईश्वर का प्रतिक होगा। आहाज बहुत कि चालक था वह जनता था कि अगर वह ऐसा कोई चिन्ह मांगता है तो इसके बाद वह असीरिआ के राजा से मदद नहीं मांग पाएगाऔर असीरिआ का राजा मूर्ति पूजा किया करता था। इसीलिए वह ऐसा करने से मना कर देता है और यशायाह को वहां से भगा देता है। इसके बाद आहाज असीरिआ के राजा के पास अपने दूत को मदद के लिए भेजता है और असीरिआ का राजा दो शर्तो पर राज़ी हो जाता है। जिसमे से पहली शर्त यह थी कि जदह को हर साल ढेर सारा पैसा देना होगा और दूसरी शर्त यह थी कि जुडाह में जगह-जगह युद्ध के देवता कि मूर्ति लगानी होगी। आहाज असीरिआ कि शर्तों पर राज़ी हो गया। इसके बाद असीरिआ ने अपनी सेना आहाज को दी जिससे आहाज युद्ध जीत गया।

# जब-जब धर्म का लोप होता है तब-तब भगवान आते हैं

**(पूर्व.)** श्रीकृष्ण जी कहते हैं कि जब-जब धर्म का लोप होता है तब-तब मैं शरीर धारण करता हूं।

**(उत्तर.)** यह बात वेद विरुद्ध होने से प्रमाण नहीं। ऐसा हो सकता है कि श्रीकृष्ण धर्मात्मा और धर्म की रक्षा करना चाहते थे कि मैं युग-युग में जन्म लेकर श्रेष्ठों की रक्षा और दुष्टों का नाश करूं, तो कुछ दोष नहीं, क्योंकि 'परोपकाराय सतां विभूतय:' परोपकार के लिए सत्पुरुषों का तन, मन, धन होता है तथापि इससे श्रीकृष्ण ईश्वर नहीं हो सकते।

**(पूर्व.)** जो ऐसा है तो संसार में चौबीस ईश्वर के अवतार होते हैं और इनको अवतार क्यों मानते हैं?

**(उत्तर.)** वेदार्थ के न जानने, संप्रदायी लोगों के बहकाने और अपने आप अविद्वान होने से भ्रमजाल में फंसकर ऐसी-ऐसी अप्रामाणिक बातें करते और मानते हैं।

**(पूर्व.)** जो ईश्वर अवतार न ले तो कंस, रावण आदि दुष्टों का नाश कैसे हो सके?

**(उत्तर.)** प्रथम जो जन्मा है वह अवश्य मृत्यु को प्राप्त होता है। जो ईश्वर अवतार शरीर धारण किए बिना जगत की उत्पत्ति, स्थिति, प्रलय करता है उसके सामने कंस और रावण आदि एक कीड़े के समान भी नहीं। वह सर्वव्यापक होने से कंस, रावण आदि के शरीरों में भी परिपूर्ण हो रहा है। जब चाहे उसी समय मर्मच्छेदन कर नाश कर सकता है। भला इस अनंतगुण कर्म स्वभावयुक्त परमात्मा को एक शूद्र जीव के मारने के लिए जन्म-मरणायुक्त कहने वाले को मूर्खपन से अन्य कुछ विशेष उपमा मिल सकती है? और जो कोई कहे कि भक्तजनों के उद्धार करने के लिए जन्म लेता है तो भी सत्य नहीं, क्योंकि जो भक्तजन ईश्वर की आज्ञानुकूल चलते हैं, उनके उद्धार करने का पूरा सामर्थ्य ईश्वर में है। क्या ईश्वर के पृथ्वी, सूर्य, चंद्र आदि जगत को बनाने, धारण और प्रलय करने रूप, कर्मों से कंस, रावण आदि का वध और गोवर्धनादि पर्वतों का उठाना बड़े कर्म हैं? जो कोई इस सृष्टि में परमेश्वर के कर्मों का विचार करे तो 'न भूतो न भविष्यति' ईश्वर के सदृश कोईऍ है, न होगा और युक्ति से भी ईश्वर का जन्म सिद्ध नहीं होता। जैसे कोई अनंत आकाश को कहे कि गर्भ में आया व मूठी में धर लिया, ऐसा कहना कभी सच नहीं हो सकता, क्योंकि आकाश अनंत और सबमें व्यापक है। इससे न आकाश बाहर आता है और न भीतर जाता। वैसे ही अनंत सर्वव्यापक परमात्मा के होने से उसका आना-जाना कभी सिद्ध नहीं हो सकता। जाना व आना वहां हो सकता है जहां न हो। क्या परमेश्वर गर्भ में व्यापक नहीं था जो कहीं से आया? और बाहर नहीं था तो भीतर से निकला? ऐसा ईश्वर के विषय में कहना और मानना विद्याहीनों के सिवाय कौन कह और मान सकेगा? इसलिए परमेश्वर का जाना-आना जन्म-मरण कभी सिद्ध नहीं हो सकता, इसलिए 'ईसा' आदि भी ईश्वर के अवतार नहीं ऐसा समझ लेना, क्योंकि राग, द्वेष, क्षुधा, तृषा, भय, शोक, दुख, सुख, जन्म, मरण आदि गुणयुक्त होने से मनुष्य थे।

**ईश्वर और पाप क्षमा :**

**(पूर्व.)** ईश्वर अपने भक्तों के पाप क्षमा करता है व नहीं?

**(उत्तर.)** नहीं, क्योंकि जो पाप क्षमा करे तो उसका न्याय नष्ट हो जाए और सब मनुष्य महापापी हो जाएं, क्योंकि क्षमा की बात सुनकर ही उनको पाप करने में निर्भयता और उत्साह हो जाए।

## खबर संक्षेप

### हाइब्रिड म्यूचुअल फंड में आया 20,634 करोड़ रुपए का निवेश

**नई दिल्ली।** हाइब्रिड म्यूचुअल फंड योजनाएं निवेशकों के बीच लोकप्रिय हो रही हैं। इन योजनाओं ने जनवरी, 2024 में 20,634 करोड़ रुपये जुटाए। यह राशि इससे पिछले महीने के मुकाबले 37 प्रतिशत अधिक है। वैकल्पिक निवेश विकल्प के रूप में हाइब्रिड म्यूचुअल फंड योजनाएं निवेशकों का ध्यान खींच रही हैं।

### पूंजीकरण में सबसे अधिक नुकसान में एलआईसी रही

**नई दिल्ली।** सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 71,414.03 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में एलआईसी रही। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई।

### मैक्स हेल्थकेयर ने एलेक्सिस हास्पिटल का किया अधिग्रहण

**नई दिल्ली।** मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट लिमिटेड ने नागपुर स्थित एलेक्सिस मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल प्राइवेट लि. में 99.90 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। यह अधिग्रहण 412 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर किया गया है। एलेक्सिस मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल (नागपुर) का नाम बदलकर मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कर दिया गया है।

### भंडारण स्थानों की मांग पांच साल में पांच फीसदी घटी

**नई दिल्ली।** देश में तीन प्रमुख दक्षिणी शहरों बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई में भंडारण स्थानों की मांग पांच प्रतिशत गिरकर 1.02 करोड़ वर्ग फुट हो गई। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। कैलेंडर वर्ष 2022 में यह 1.07 करोड़ वर्ग फुट थी। इन तीन दक्षिणी शहरों की हिस्सेदारी पिछले वर्ष के 34 प्रतिशत से गिरकर 2023 में 27 प्रतिशत हो गई।

### सुंदरम वित्तपोषण के लिए 1000 करोड़ रुपए जुटाएगी

**दुबई।** सुंदरम फाइनेंस समूह की इकाई सुंदरम अल्टरनेटिव्स एसेट्स की योजना भारत में अपनी हरित रियल एस्टेट परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए वैश्विक निवेशकों से लगभग 1,000 करोड़ रुपये जुटाने की है। 'यह कदम भारतीय रियल एस्टेट क्रेडिट बाजार के लगातार विकसित हो रहे जोखिम प्रबंधन कौशल की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'

### क्रिप्टोकरेंसी का नहीं है कोई अंतर्निहित मूल्य

**मुंबई।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के कार्यकारी निदेशक पी वासुदेवन ने कहा है कि क्रिप्टो करेंसी को 'मुद्रा' नहीं माना जा सकता है क्योंकि इनका कोई अंतर्निहित मूल्य नहीं होता है। वासुदेवन ने भारतीय प्रबंध संस्थान-कोझिकोड (आईआईएम-के) की तरफ से आयोजित एक परिचर्चा में कहा, "क्रिप्टो मुद्राओं को 'मुद्रा' नहीं कहा जा सकता क्योंकि उनका कोई अंतर्निहित मूल्य नहीं है। उन्होंने कहा कि आखिरकार निर्णय सरकार को यह लेना है कि क्रिप्टो मुद्राओं से किस तरह निपटा जाए।

# महामारी-काल में हुई थी ज्यादा भर्ती इसलिए अब छंटनी! : जकरबर्ग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सोशल मीडिया कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने दुनियाभर की टेक कंपनियों में जारी छंटनी के कारण बताए हैं। उन्होंने कहा कि छंटनी के फैसले दर्दनाक होते हैं। मगर, कंपनियों के आगे बढ़ाने के लिए यह एक जरूरी कदम होता है। छंटनी का पहला दौर कोविड-19 महामारी के बाद आया। यह महामारी के दौरान की गई ज्यादा भर्तियों के चलते हुआ।

- सीईओ जकरबर्ग ने इसे एक जरूरी कदम बताया

मॉर्निंग ब्रू डेली को दिए गए एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में मेटा के सीईओ ने कहा कि महामारी के बाद अभी भी कंपनियां खुद को संभाल रही हैं। कोविड के दौरान ई-कॉमर्स सेल बहुत तेजी से ऊपर गई। मगर, अब लोग स्टोर्स में वापस लौट रहे हैं। इसके चलते आसमान में उड़ान भर रहे एडवरटाइजिंग रेट जमीन पर आ गिरे हैं। इसके चलते अब मेटा समेत कई कंपनियों को कॉस्ट कटिंग करनी पड़ रही है। हमें अपनी ओवर हायरिंग से निपटना जरूरी हो गया है।

### दुनियाभर की टेक कंपनियों में चल रही छंटनी

#### कंपनियां अब बेहतर काम कर रही

हम अब ज्यादा बेहतर तरीके से काम कर पा रहे हैं। कंपनी के स्टॉक भी ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। जकरबर्ग ने बताया कि वह अपनी कंपनियों में से मैनेजमेंट की कई लेवल कम कर रहे हैं। इंस्टाग्राम में टेक्निकल प्रोग्राम मैनेजर्स के पद को खत्म किया जा रहा है। इससे काम करने की क्षमता और प्रभावी हो रही है।

#### अच्छा टैलेंट खोया

मार्क जकरबर्ग ने कहा कि छंटनी के पीछे यही एक वजह नहीं है। कंपनियां अब महसूस कर रही हैं कि ऐसे कड़े फैसले उनके लिए बेहद जरूरी हैं। कई टेक कंपनियों ने शुरुआत में छंटनी के विचार को खारिज कर दिया था। मगर, उन्हें भी एहसास हुआ है कि ऐसा करना भविष्य के लिए बेहतर है। यह कठिन फैसला है क्योंकि हम सभी ने कुछ अच्छे टैलेंट को खो दिया।

#### आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बहुत बड़ा फैक्टर नहीं

माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी कंपनियों ने जबरदस्त कमाई के बावजूद छंटनी की है। अमेजन जैसी दिग्गज कंपनियां भी ऐसे ही इरादे जता चुकी हैं। इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। मगर, मार्क जकरबर्ग इसे ठीक नहीं मानते। उन्होंने कहा कि हमारी कंपनियों में छंटनी की बड़ी वजह एआई नहीं है। उन्होंने एप्पल को बड़ी प्रतिस्पर्धा मानते हुए कहा कि यह अच्छी कंपनी है। एप्पल अच्छा काम कर रही है। मगर, उन्होंने भरोसा दिलाया कि एप्पल की चुनौती का मेटा प्लेटफॉर्म्स डटकर सामना करेगी।

### केंद्रीय राज्यमंत्री चंद्रशेयर ने कहा- कंपनियां नियमों की करती है अनदेखी

# पेटीएम बैंक पर कार्रवाई ने फिनटेक कंपनियों का ध्यान कानून के अनुपालन की ओर खींचा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक लि. (पीपीबीएल) पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नियामकीय कार्रवाई ने वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनियों का ध्यान कानून के अनुपालन के महत्व की ओर खींचा है।

चंद्रशेखर ने इस बात पर जोर दिया कि नियामकीय अनुपालन कंपनियों के लिए 'वैकल्पिक' नहीं हो सकता, बल्कि यह एक ऐसा पहलू है जिसपर प्रत्येक उद्यमी को पूरा ध्यान देना चाहिए। चंद्रशेखर ने एक भेंट में कहा, पेटीएम पेमेंट्स बैंक का मुद्दा एक ऐसा मामला है जहां एक आक्रामक उद्यमी नियामकीय अनुपालन की जरूरत को महसूस करने में विफल रहा है, और कोई भी कंपनी अनुपालन से बच नहीं सकती है।

### कोई भी कंपनी हो उसे देश के कानून का पालन करना होगा

- नियामकीय अनुपालन कंपनियों के लिए वैकल्पिक नहीं हो सकता
- कोई भी कंपनी अनुपालन से बच नहीं सकती

#### अनुपालन देश के लिए विकल्प नहीं

नियामकीय अनुपालन दुनिया के किसी भी देश के लिए 'वैकल्पिक' नहीं है। निश्चित रूप से भारत में ऐसा नहीं है और उद्यमियों को इसपर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। चन्द्रशेखर ने आगे कहा कि उद्यमी आमतौर पर जो कुछ भी बना रहे हैं, उसपर इतना ध्यान केंद्रित करने लगते हैं कि कभी-कभी वे नियामकों द्वारा निर्धारित नियमों की अनदेखी कर देते हैं।

#### देश में कानून का पालन करना होगा

पेटीएम पेमेंट्स बैंक संकट के बीच मंत्री ने कहा कि कोई भी कंपनी, चाहे वह भारत की हो या विदेश की, बड़ी हो या छोटी, उसे देश के कानून का पालन करना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने पीपीबीएल को 15 मार्च से नई जमा स्वीकार करने से रोक दिया है, और कंपनी के खिलाफ अपनी कार्रवाई की किसी भी समीक्षा से इनकार कर दिया है।

#### पूरे फिनटेक कंपनियों के लिए चिंता बढ़ी

चंद्रशेखर ने कहा कि यह धारणा कि पीपीबीएल पर आरबीआई की कार्रवाई ने फिनटेक क्षेत्र को परेशान कर दिया है, इसका सही चित्रण नहीं है। राजनीतिज्ञों, उद्यमियों और प्रौद्योगिकी दिग्गज इस बात से सहमत नहीं है कि पेटीएम बैंक मुद्दे ने पूरे फिनटेक उद्योग के लिए चिंता बढ़ा दी है।

#### कार्रवाई से फिनटेक कंपनियां परेशान

केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा, 'यह धारणा कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ नियामक की कार्रवाई ने फिनटेक को परेशान कर दिया है...मुझे नहीं लगता कि इसका सही चित्रण है। चंद्रशेखर ने कहा, "मुझे लगता है कि इसने फिनटेक उद्यमियों का ध्यान इस तथ्य की ओर खींचा है कि आपको यह भी जानना होगा कि कानून का अनुपालन कैसे करना है।

#### पेटीएम संचालक व सीओ की 51 फीसदी हिस्सेदारी

वन97 कम्युनिकेशंस के पास पीपीबीएल की चुकता शेयर पूंजी (सीधे और अपनी अनुषंगी कंपनी के माध्यम से) का 49 प्रतिशत हिस्सा है। पेटीएम के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा की बैंक में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

#### फंसी कंपनियों को बंद करने मिला समय

रिजर्व बैंक ने पीपीबीएल के ग्राहकों और दुकानदारों को अपने खाते 15 मार्च तक अन्य बैंकों में स्थानांतरित करने को कहा है। इसके साथ केंद्रीय बैंक ने संकट में फंसी कंपनी को अपने ज्यादातर परिचालन को बद करने के लिए 15 दिन का और समय दे दिया है।

# अदाणी टोटल गैस एलएनजी पर लगा रही है एक बड़ा दांव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रमुख शहरी गैस वितरक (सीजीडी) कंपनी अदाणी टोटल गैस लिमिटेड वृद्धि के लिए तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) पर बड़ा दांव लगा रही है। सरकार की गैस नीति में एलएनजी को तेजी से बढ़ावा देने और ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) के उत्सर्जन को नियंत्रित करने की पहल के बीच कंपनी ने यह रणनीति अपनाई है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अडाणी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) का लक्ष्य लंबी दूरी के वाणिज्यिक वाहनों के लिए डीजल की जगह प्राथमिक ईंधन के रूप में एलएनजी को बढ़ावा देना है। इसके लिए वाहन क्षेत्र से संबंद्ध कंपनियों, मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम), परिचालकों और रेट्रोफिटमेंट कंपनियों जैसे विभिन्न हितधारकों के साथ रणनीतिक गठजोड़ किए जा रहे हैं।

- सरकार की गैस नीति में एलएनजी को बढ़ावा
- उत्सर्जन को नियंत्रित करने की गई पहल

#### कंपनी आने वाले महीनों में साझेदारी करेगी

मंगलानी ने कहा कि कंपनी इस हरित ईंधन को तेजी से बढ़ावा देने के लिए सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रही है। एटीजीएल ने पिछले दो माह में वैकल्पिक ईंधन प्रणाली विनिर्माता शिगन, क्रायोजेनिक लिक्विड स्टोरेज, आईनॉक्स सीवीए और अडाणी सीमेंट के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने कहा कि वह आने वाले महीनों में इस तरह की और साझेदारियां करेगी।

# भरोसे के बीच रियल्टी धारणा सूचकांक चढ़ा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रियल एस्टेट कंपनियां और वित्तीय संस्थानों को अगले छह महीनों के दौरान संपत्ति बाजार में तेजी बने रहने की उम्मीद है। नाइट फ्रैंक और नारेडको की रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें उम्मीद है कि उच्च मांग की मौजूदा रफ्तार बनी रहेगी।

रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक और रियल एस्टेट निकाय नारेडको ने रविवार को 2023 की चौथी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2023) के लिए रियल्टी धारणा सूचकांक का 39वां संस्करण जारी किया। रिपोर्ट के अनुसार, इस समय धारणा सूचकांक आशावादी क्षेत्र में बना हुआ है, और यह 2023 की तीसरी तिमाही में 59 से बढ़कर चौथी तिमाही में 69 अंक पर पहुंच गया। धारणा सूचकांक डेवलपर्स, निवेशकों और वित्तीय संस्थानों जैसे आपूर्ति पक्ष के हितधारकों के बीच किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है।

- नाइट फ्रैंक और नारेडको ने जारी की रिपोर्ट
- उच्च मांग की मौजूदा रफ्तार बनी रहेगी

इस सूचकांक में 50 से अधिक अंक आशावाद को दर्शाता है, जबकि इससे कम अंक निराशा का संकेत देता है। वहीं इसके 50 पर होने का मतलब 'तटस्थ' रुख से होता है। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र ने हाल की तिमाहियों में वृद्धि का एक उल्लेखनीय चरण देखा है।

#### कार्यालय क्षेत्र में भी वृद्धि की उम्मीद

बैजल ने कहा कि यह वृद्धि देश के स्थिर आर्थिक परिदृश्य पर आधारित है। नारेडको के अध्यक्ष जी हरि बाबू ने कहा कि धारणा सूचकांक भारत की आर्थिक वृद्धि के बारे में आशावाद की ओर इशारा करता है। उन्होंने कहा कि आवास बाजार में भरोसा बढ़ा है और कार्यालय क्षेत्र में भी वृद्धि की उम्मीद है। यह अगले छह महीनों के लिए सकारात्मक रुझानों का संकेत देता है।

# पहले दस माह में बिजली की खपत 7.5 फीसदी बढ़ी

**नई दिल्ली।** देश की बिजली की खपत चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह (अप्रैल-जनवरी) के दौरान सालाना आधार पर 7.5 प्रतिशत बढ़कर 1,354.97 अरब यूनिट (बीयू) हो गई। यह देशभर में आर्थिक गतिविधियों में तेजी का संकेत है। सरकार की ओर जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में बिजली की खपत 1,259.49 अरब यूनिट थी। पूरे वित्त वर्ष 2022-23 में बिजली की खपत 1,505.91 अरब यूनिट रही थी।चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह में आर्थिक गतिविधियों में आई तेजी को दर्शाती है। अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में बिजली की खपत मुख्य रूप से आर्द्र मौसम और त्योहारी सत्र से पहले औद्योगिक गतिविधियों में तेजी से बढ़ी।

# वैश्विक रुख से तय होगी शेयर बाजार की चाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों का रुख वैश्विक रुझानों से तय होने की उम्मीद है। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। उनका कहना है कि स्थानीय स्तर पर महत्वपूर्ण घटनाक्रम की कमी और कंपनियों के तिमाही नतीजे काफी हद तक आ जाने के बीच कारोबारियों की नजर कच्चे तेल की कीमतों, रुपये की चाल और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक की टिप्पणियों पर रहेगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजित मिश्रा ने कहा, 'कंपनियों के तीमाही परिणाम आ जाने के साथ आने वाले सप्ताह में वैश्विक संकेतक काफी हद तक बाजार की चाल तय करेंगे। बीते सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव रहा, हालांकि अंत में सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। मजबूत व्यापक आर्थिक आंकड़ों के कारण घरेलू बाजार पिछले सप्ताह सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए।

- कच्चे तेल की कीमतों व रुपए की चाल पर होगी नजर

#### खुदरा महंगाई तीन माह के निचले स्तर पर

खुदरा मुद्रास्फीति जनवरी में तीन महीने के निचले स्तर 5.1 प्रतिशत पर आ गई। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि सूचकांकों ने अन्य एशियाई बाजारों के विपरीत अपनी तेजी जारी रखी। उन्हें मुद्रास्फीति के आंकड़ों से मदद मिली। उन्होंने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में भारी खरीदारी ने प्रमुख सूचकांकों को नई ऊंचाई दी।

### रेल विकास निगम के पास 65 हजार करोड़ के ऑर्डर...

**नई दिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम रेल विकास निगम लि. (आरवीएनएल) की 'ऑर्डर बुक' 65,000 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है, जिसमें से 50 प्रतिशत रेलवे से जुड़ी परियोजनाएं हैं। कंपनी ने यह जानकारी दी है। कंपनी प्रबंधन ने निवेशक कॉल में कहा कि आरवीएनएल अब मध्य एशिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ पश्चिमी एशिया जैसे विदेशी बाजारों में नई परियोजनाओं की संभावनाएं तलाश रही है। शीर्ष प्रबंधन के अधिकारियों ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'हमारे पास अब लगभग 65,000 करोड़ रुपये के ऑर्डर हैं। इनमें से 50 प्रतिशत रेलवे से जुड़े ऑर्डर हैं। शेष 50 प्रतिशत ऑर्डर हमें बाजार से मिले हैं। आने वाले समय में हमारी ऑर्डर बुक करीब 75,000 करोड़ रुपये होगी।' अधिकारियों ने बताया कि कुल ऑर्डर बुक में वंदे भारत ट्रेन की हिस्सेदारी लगभग 9,000 करोड़ रुपये है।

# छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक अध्यक्ष की राज्यपाल से सौजन्य भेंट

▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष आईके गोहिल द्वारा राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन से सौजन्य भेंट की गई। गोहिल द्वारा राज्यपाल को बैंक द्वारा छत्तीसगढ़ के विकास में किए जा रहे योगदान एवं बैंक की गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी प्रदान की गई। अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि बैंक अपनी 614 शाखा एवं 3300 बैंकिंग सुविधा केंद्रों के माध्यम से राज्य के 67 लाख ग्राहकों को आधुनिक बैंक की सुविधा प्रदान कर रही है। राज्यपाल द्वारा बैंक के राज्य की जनता को प्रदाय की जा रही बैंकिंग सुविधा एवं राज्य के विकास में किए जा रहे योगदान की सराहना की गई।

### अधिकांश कंपनियों के शेयर अपने पिक पर पहुंच चुके

# अमेरिका की टॉप टेक कंपनियों का बुलबुला जल्द फूटने वाला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका की सात टॉप टेक कंपनियों को मैग्नीफिशिएंट 7 कहा जाता है। इनमें माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल, अल्फाबेट, ऐमजॉन, मेटा, एनवीडिया और टेस्ला शामिल हैं।

- बांड यील्ड्स टाइट फाइनेंशियल कंडीशंस का संकेत दे रहा

दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कंपनी टेस्ला को छोड़ दें तो बाकी कंपनियों के शेयरों में हाल में काफी तेजी आई है। लेकिन जानकारों का कहना है कि इन कंपनियों का बुलबुला भी जल्दी ही फूटने वाला है। जानकारों का कहना है कि 1989 में जापान की कंपनियों और 2000 के दशक में नैसडैक की कंपनियों की शेयर भी इसी तरह उछल रहे थे। लेकिन उनका बुलबुला फूट गया था और निवेशक रातोंरात कंगाल हो गए थे। अमेरिका में टेक शेयर भी उसी रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं।

#### शेयरों में तेजी

इसका एक कारण वैल्यूएशन भी है। 45 के प्राइस-अर्निंग रेश्यो के साथ मैग्नीफिशिएंट 7 ग्रुप के शेयर काफी महंगे हैं। लेकिन हारनेट की रिसर्च के मुताबिक 1989 में जापान के शेयरों में यह 67 और 2000 में नैसडैक कंपोजिट के शेयरों में 65 पहुंचा था। दिसंबर 2022 से अमेरिका के टॉप सात टेक शेयरों की कीमत में 140 फीसदी उछाल आई है। साल 2000 में अमेरिका में डॉटकॉम कंपनियों में 190 फीसदी तेजी आई थी। इस साल मैग्नीफिशिएंट 7 शेयरों में अब तक करीब 12 फीसदी तेजी आई है। सबसे ज्यादा 50 फीसदी तेजी एआई चिप्स बनाने वाली कंपनी एनवीडिया में आई है। पिछले साल भी इसमें 239 फीसदी तेजी आई है।

#### बांड यील्ड करीब दो फीसदी

अपनी इस थ्योरी को पुख्ता करने के लिए उन्होंने ग्लोबल फाइनेंशियल सिस्टम में कर्ज से जुड़े सारे संकेतों को साझा किया है। उनका कहना है कि 10 साल की अवधि वाले बांड पर यील्ड 2.5 या 3 परसेंट तक पहुंचते ही निवेशकों का टेक शेयरों के प्रति मोह भंग हो जाएगा। बॉन्ड यील्ड अभी करीब दो फीसदी है।

#### बांड यील्ड्स टाइट

बैंक ऑफ अमेरिका के चीफ मार्केट स्ट्रैटजिस्ट माइकल हारनेट का कहना है कि अमेरिका में आज टेक शेयरों की जो स्थिति है, वही स्थिति पहले उन शेयरों की भी थी जो बुलबुले की तरह फूट गए थे।

ये शेयर अपने पीक के करीब पहुंच चुके हैं और कभी भी इनका बुलबुला फूट सकता है। हारनेट के मुताबिक बांड यील्ड्स टाइट फाइनेंशियल कंडीशंस का संकेत दे रहा है। इससे साफ है कि शेयर मार्केट कभी भी बैठ सकता है।

# 'सुमधु' एप्प तकनीक को शहद की शुद्धता परखने मिला प्रथम पुरस्कार

**हरिद्वार।** पतंजलि संस्थान आयुर्वेद व योग के वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ कृषि अनुसंधान व कृषि आधारित उत्पाद की गुणवत्ता व शुद्धता के लिए अग्रणी रूप में कार्य कर रहा है।

शहद की शुद्धता के लिए शहद के छत्ते से लेकर शहद के डिब्बों की पैकिंग से उपभोक्ता तक की पारदर्शिता को पूर्ण रूप से पहचानने एवं मापने के लिए पतंजलि द्वारा निर्मित 'सुमधु' एप्प एआई आधारित तकनीक को राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम संस्थान हैदराबाद द्वारा वैज्ञानिक मधुपालन पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। आचार्य बालकृष्ण ने बताया कि इस संगोष्ठी में देश भर से अनेक संस्थानों एवं वैज्ञानिकों की सहभागिता थी, जिसमें शहद की शुद्धता एवं गुणवत्ता के लिए अनेक उपायों पर विचार विमर्श किया गया। इस संगोष्ठी में पतंजलि द्वारा प्रयोग किया जा रहे एआई आधारित तकनीक को शहद की पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के लिए सर्वोत्तम माना गया।

## महिला टीम का कमाल : भारत ने बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में पहली बार जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶ शाह आलम

युवा अनमोल खरब ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा जिससे भारतीय महिलाओं ने रविवार को यहां बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के रोमांचक फाइनल में थाईलैंड को 3-2 से पराजित करके इस प्रतियोगिता में अपना पहला स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा।

पीवी सिंधू की अगुवाई वाली भारतीय महिला टीम ने तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा तथा दो बार के कांस्य पदक विजेता थाईलैंड को हराया। भारतीय महिलाओं का टीम चैंपियनशिप में यह पहला बड़ा खिताब है जिससे उसका चीन के चेंगदू में 28 अप्रैल से पांच मई तक होने वाले उबेर कप के लिए मनोबल बढ़ेगा। भारत ने इससे पहले इस प्रतियोगिता में दो पदक जीते थे। भारतीय पुरुष टीम ने 2016 और 2020 में कांस्य पदक हासिल किए थे।

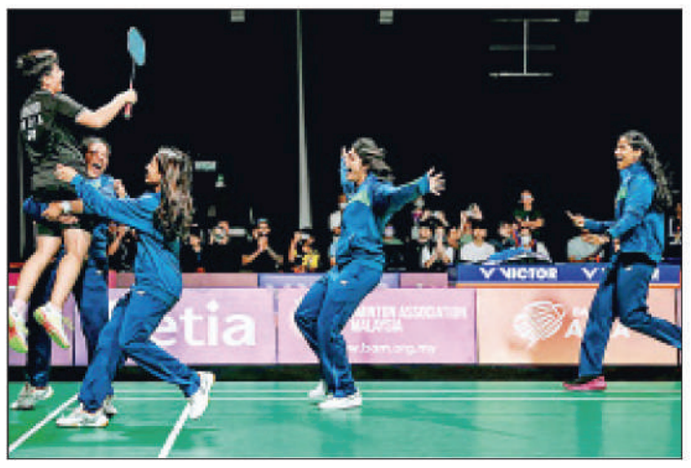


### सिंधू की आक्रमक जीत

चोटिल होने के कारण लगभग चार महीने तक कोर्ट से बाहर रहने वाली दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने आक्रामक खेल का नजारा पेश किया और पहले एकल में दुनिया की 17वें नंबर की खिलाड़ी सुपनिडा काटेथोंग को 21-12, 21-12 से हरा कर भारत को 1-0 से बढ़त दिलाई।

### त्रीसा-गायत्री का कमाल

त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की विश्व में 23वें नंबर की जोड़ी ने भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा तथा जोंगकोलफान किंतिथाराकुल और रावींडा प्रा जोंगजई की विश्व में दसवें नंबर की जोड़ी को 21-16, 18-21, 21-16 से पराजित करके भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

### अश्मिता ने किया निराश

शनिवार को जापान की पूर्व विश्व चैंपियन नोजोमी ओकुहारा के खिलाफ शानदार जीत के बाद अश्मिता चालिहा से काफी उम्मीदें लगाई जा रही थी लेकिन वह दूसरे एकल में विश्व की 18वें नंबर की खिलाड़ी बुसानन ओंगबामरुंगफ़ान से 11-21 14-21 हार गई।

### श्रुति-प्रिया को मिली हार

युवा श्रुति मिश्रा और सीनियर राष्ट्रीय चैंपियन प्रिया कोन्जेंगबाम को बेन्यापा ऐम्सार्ड और नुनटाकर्न ऐम्सार्ड की दुनिया की 13वें नंबर की जोड़ी से 11-21, 9-21 से हार का सामना करना पड़ा जिससे मुकाबला 2-2 से बराबर हो गया।

### अंत में 'अनमोल' जीत

अब भारत को जीत दिलाने का दारोमदार अनमोल खरब पर टिका था जिन्होंने विश्व में 45वें नंबर की खिलाड़ी पोर्नपिचा चोइकीवोंग को 21-14 21-9 से हराकर भारत को स्वर्ण पदक दिला दिया।

'17 साल की उम्र में यह बड़ी उपलब्धि है। अब मुझे कड़ी प्रतिद्वंद्वियों को हराने के लिए और कड़ी मेहनत करनी होगी।'
अनमोल खरब

## खबर संक्षेप

### बंगाल ने बिहार को पारी और 204 रन से रौंदा

**कोलकाता।** भारतीय तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और सूरज सिंधू जायसवाल की धारदार गेंदबाजी के सामने बिहार के बल्लेबाजों ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी मैच के तीसरे दिन रविवार को यहां घुटने टेक दिए जिसे बंगाल ने पारी और 204 रन से मैच अपने नाम किया।

बिहार की टीम ने दिन की शुरुआत एक विकेट पर 32 रन से की। मुकेश (छह विकेट) और सूरज (चार विकेट) के सामने बिहार की पारी 112 रन पर सिमट गई।

इससे पहले मुकेश और सूरज ने बिहार की पहली पारी चार-चार विकेट चटकाए थे। बिहार की पहली पारी 95 रन पर सिमटी थी। बंगाल ने कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन के 200 रन के दम पर पांच विकेट पर 411 रन बनाकर अपनी पारी घोषित की थी।

### तैयारियों के लिए प्रो लीग के मैच अहम

**राउरकेला।** भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने रविवार को कहा कि जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए उनकी टीम की तैयारियों के मद्देनजर मौजूदा एफआईएच प्रो लीग मैच महत्वपूर्ण हैं। भारतीय पुरुष टीम ने प्रो लीग में अब तक चार मैच खेले हैं, जिनमें से उसे तीन में जीत मिली है। टीम को इकलौती हार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली है। भारतीय टीम का अगला मैच 21 फरवरी को नीदरलैंड के खिलाफ है।

### 23 सदस्यीय भारतीय महिला टीम घोषित

**नई दिल्ली।** अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ ने 21 से 27 फरवरी तक अलान्या में होने वाले तुर्की महिला कप 2024 के लिए रविवार को 23 सदस्यीय महिला सीनियर टीम की घोषणा की। भारतीय टीम सोमवार को तुर्की रवाना होगी। इससे पहले भारत ने 2019 और 2021 में इस प्रतियोगिता में भाग लिया था। भारत चार देशों के इस टूर्नामेंट में अपना पहला मैच 21 फरवरी को एस्तोनिया के खिलाफ खेलेगा।

### अल्कराज उलटफेर के शिकार, जीते जैरी

**ब्यूनस आयर्स।** चिली के निकोलस जैरी ने अपने कॅरियर का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज को हराकर अर्जेंटीना ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। जेरी ने अल्कराज को 7-6 (2), 6-3 से हराया जो उनके कॅरियर की सबसे बड़ी जीत है। फाइनल में उनका मुकाबला अर्जेंटीना के फेसुंडो डियाज़ अकोस्टा से होगा।

टेस्ट : टीम इंडिया ने पांच मैचों की श्रृंखला में बनाई 2-1 से बढ़त

## भारत ने निकाली 'बैजबॉल' की हवा, इंग्लैंड ने टेके घुटने, यशस्वी का दोहरा शतक, जडेजा का धमाल

▶▶ राजकोट

भारत ने इंग्लैंड को तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में रविवार को यहां मैच के चौथे दिन ही 434 रन से करारी शिकस्त देकर अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की और पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से बढ़त बनाई। इंग्लैंड की 'बैजबॉल' रणनीति भारत के आगे नहीं चल पाई तथा 557 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए उसकी टीम 39.4 ओवर में 122 रन पर आउट हो गई। भारत की इससे पहले रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत 372 रन की थी जो उसने 2021 में मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ हासिल की थी। इंग्लैंड के खिलाफ यह किसी भी टीम की दूसरी सबसे बड़ी जीत है।

भारतीय धरती पर रनों के लिहाज से यह सबसे बड़ी जीत का भी रिकॉर्ड है। विशाखापट्टनम में दूसरे टेस्ट मैच में 209 रन बनाने वाले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने नाबाद 214 रन आकर्षक पारी खेली। शुभमन गिल ने 91 रन बनाए। भारत ने अपनी दूसरी पारी चार विकेट पर 430 रन पर समाप्त घोषित करके इंग्लैंड के सामने असंभव लक्ष्य रखा। भारत ने अपनी पहली पारी में 445 रन बनाकर इंग्लैंड को 319 रन पर आउट कर दिया था। वहीं पहली पारी में रोहित शर्मा ने 131 और रवींद्र जडेजा ने 112 रन बनाए। गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज ने 4 विकेट लिए थे। रविंद्र जडेजा ने दूसरी पारी में 41 रन देकर पांच विकेट लिए। कुलदीप यादव ने दो जबकि जसप्रीत बुमराह और रविचंद्रन अश्विन ने एक-एक विकेट लिया।

### 12 छक्के जड़ की रिकॉर्ड की बराबरी

*जायसवाल ने अपनी 236 गेंद की पारी में 14 चौके और 12 छक्के लगाए। इस तरह से उन्होंने एक टेस्ट पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने के रिकॉर्ड की बराबरी की। जायसवाल ने भारत की तरफ से नया रिकॉर्ड बनाया तथा वसीम अकरम के 28 साल पहले बनाए गए विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने इस श्रृंखला में लगातार मैच में दोहरा शतक पूरा किया। जायसवाल की पारी बेहद आकर्षक थी। उन्होंने भारत की तरफ से एक पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने के नवजोत सिंह सिद्धू और मयंक अग्रवाल के आठ आठ छक्कों के रिकॉर्ड को तोड़ा। यही नहीं वह विनोद कांबली और विराट कोहली के बाद तीसरे भारतीय बल्लेबाज हैं जिन्होंने लगातार मैच में दोहरे शतक जमाए।*

### सरफराज की दूसरी फिफ्टी

बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज जायसवाल ने सरफराज खान (नाबाद 68) के साथ पांचवें विकेट के लिए 172 रन की अटूट साझेदारी की। अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे सरफराज ने मैच में लगातार दूसरा अर्धशतक जमाया। इससे पहले शुभमन गिल ने 91 रन की पारी खेली। यशस्वी की पारी का आकर्षण 41 वर्षीय तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन पर लगाए गए लगातार तीन छक्के थे। जायसवाल और सरफराज ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और दूसरे सत्र में 16 ओवर में 116 रन जोड़े। सरफराज ने 72 गेंद की अपनी पारी में 6 चौके और तीन छक्के लगाए।

### अश्विन टीम से जुड़े

*भारत के स्टार ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के चौथे दिन चाय के विश्राम के बाद मैदान पर उतरे। अश्विन को मैच के दूसरे दिन अपना 500वां विकेट हासिल करने के कुछ देर बाद अपनी मां के बीमार होने के कारण तीसरे टेस्ट मैच को बीच में छोड़ना पड़ा था। आईसीसी के नियमों के मुताबिक अश्विन को मैच के तीसरे दिन अनुपस्थित रहने पर 'पेनल्टी टाइम' का सामना नहीं करना पड़ेगा।*

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी : 445 रन
इंग्लैंड पहली पारी : 319 रन

| भारत पहली पारी | रन | गेंद | 4 | 6 |
|---|---|---|---|---|
| यशस्वी जायसवाल नाबाद | 214 | 236 | 14 | 12 |
| रोहित शर्मा पजाबधा बो रूट | 19 | 28 | 3 | 0 |
| शुभमन गिल रन आउट | 91 | 151 | 9 | 2 |
| रजत का रेहान बो हार्टले | 00 | 10 | 0 | 0 |
| कुलदीप का रूट बो रेहान | 27 | 91 | 3 | 1 |
| सरफराज खान नाबाद | 68 | 72 | 6 | 3 |
| अतिरिक्त : 11, कुल : 98 ओवर में 430/4 (घोषित) | | | | |
| गेंदबाजी : एंडरसन 13-1-78-0, रूट 27-3-111-1, हार्टले 23-2-78-1, वुड 10-0-46-0, रेहान 25-1-108-1. | | | | |
| इंग्लैंड दूसरी पारी | रन | गेंद | 4 | 6 |
| क्राउली पजाबधा बो बुमराह | 11 | 26 | 2 | 0 |
| बेन डकेट रन आउट | 04 | 15 | 0 | 0 |
| पोप का शर्मा बो जडेजा | 03 | 14 | 0 | 0 |
| रूट पजाबधा बो जडेजा | 07 | 40 | 1 | 0 |
| बेयरस्टो पजाबधा बो जडेजा | 04 | 03 | 1 | 0 |
| स्टोक्स पजाबधा बो कुलदीप | 15 | 39 | 1 | 0 |
| फोक्स का जुरेल बो जडेजा | 16 | 39 | 2 | 0 |
| रेहान का सिराज बो कुलदीप | 00 | 05 | 0 | 0 |
| टॉम हार्टले बो अश्विन | 16 | 36 | 2 | 1 |
| वुड का जायसवाल बो जडेजा | 33 | 15 | 6 | 1 |
| जेम्स एंडरसन नाबाद | 01 | 09 | 0 | 0 |
| अतिरिक्त : 12, कुल : 39.4 ओवर में 122/10 | | | | |
| गेंदबाजी : बुमराह 8-1-18-1, सिराज 5-2-16-0, जडेजा 12.4-4-41-5, कुलदीप 8-2-19-2, अश्विन 6-3-19-1. | | | | |

## स्वियाटेक ने कतर ओपन में लगाई खिताबी हैट्रिक

एजेंसी ▶▶ दोहा

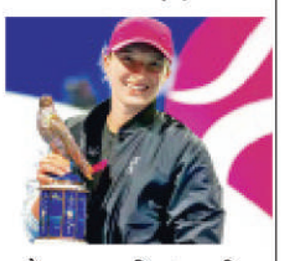

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट में लगातार तीसरा खिताब जीता। स्वियाटेक ने फाइनल में कजाकिस्तान की विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी एलेना रायबकिना को 7-6 (8), 6-2 से हराया। स्वियाटेक को शुरू में लय हासिल करने के लिए थोड़ा संघर्ष करना पड़ा।

रायबकिना पहले सेट में एक समय 4-1 से आगे चल रही थी। स्वियाटेक ने हालांकि लगातार तीन अंक हासिल करके स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। रायबकिना ने अगले गेम में स्वियाटेक की सर्विस तोड़ी लेकिन पोलैंड की खिलाड़ी ने तुरंत ही ब्रेक प्वाइंट लेकर सेट को टाइब्रेकर तक पहुंचा दिया। स्वियाटेक 90 मिनट तक चले इस सेट को टाइब्रेकर में जीता और फिर दूसरे सेट में आसानी से जीत हासिल की।

### ईपीएलः लिवरपूल और आर्सेनल की बड़ी जीत

लंदन। लिवरपूल और आर्सेनल ने बड़ी जीत दर्ज करके इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल प्रतियोगिता में खिताबी दौड़ को रोचक बना दिया, जबकि मैनचेस्टर सिटी अपना मैच ड्रॉ खेलने के कारण नीचे खिसक गया। शीर्ष पर काबिज लिवरपूल ने बेंटफोर्ड में 4-1 से और आर्सेनल ने बर्नले को 5-0 से हराया जबकि मैनचेस्टर सिटी ने चेल्सी के साथ मैच 1-1 से ड्रॉ खेला। प्रीमियर लीग में अभी काफी फुटबॉल खेली जानी है और मैनचेस्टर सिटी को एक अतिरिक्त मैच खेलना है, लेकिन मौजूदा चैंपियन टीम का प्रतियोगिता के इस चरण में नीचे खिसकना महत्वपूर्ण मोड़ हो सकता है। मैनचेस्टर सिटी के पूर्व खिलाड़ी रहीम स्टर्लिंग ने पहले हाफ में गोल करके चेल्सी को बढ़त दिलाई। मैनचेस्टर सिटी की तरफ से रोड्री ने 83वें मिनट में बराबरी का गोल किया। लिवरपूल के 25 मैच में 57 जबकि आर्सेनल के इतने ही मैच में 55 अंक हैं।

## मुंबई इंडियंस अमीरात बना चैंपियन...

**दुबई।** मुंबई इंडियंस का नाम आईपीएल 2024 के शुरू होने से पहले ही गूंजने लगा है। ये गूंज इसके इंटरनेशनल टी20 लीग का खिताब जीत लेने के बाद मची है। मुंबई इंडियंस अमीरात की टीम ने आईएलटी20 के फाइनल में दुबई कैपिटल्स को हराते हुए खिताब पर कब्जा किया। फाइनल में मुंबई इंडियंस अमीरात ने दुबई कैपिटल्स को 45 रन से हराया। शनिवार रात खेले गए फाइनल में पहले बल्लेबाजी मुंबई इंडियंस अमीरात ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 208 रन बनाए। जवाब में दुबई कैपिटल्स की टीम 7 विकेट पर 163 रन पर ही बना सकी।

### मुस्तफिजुर कनक्शन के बाद अस्पताल में भर्ती

**ढाका।** अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बांग्लादेश प्रीमियर लीग से पहले ट्रेनिंग सत्र के दौरान लिटन दास की गेंद सिर पर लगने के बाद स्थानीय अस्तपाल में भर्ती कराया गया। खिलाड़ी जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में कोमिला विक्टोरियंस नेट में अभ्यास कर रहे थे। रहमान (28 वर्ष) को गेंद तब लगी जब वह अपने गेंदबाजी निशान की ओर जा रहे थे और उन्हें खून निकलने वाली जगह पर तुरंत प्राथमिक उपचार दिया गया और फिर एम्बुलेंस में इंपीरियल अस्पताल ले जाया गया। हालांकि उनके सीटी स्कैन में किसी भी तरह की आंतरिक चोट नहीं दिखी।

आईपीएल की पहली नीलामी को कल हो जाएंगे 16 साल पूरे

## धोनी आईपीएल की सर्वकालिक महान टीम के कप्तान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

करिश्माई भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग की सर्वकालिक महान टीम का कप्तान चुना गया। इस टीम का चयन 2008 में शुरू की गई दुनिया की सबसे लोकप्रिय टी20 लीग की सफलता का जश्न मनाने के लिए किया गया।

20 फरवरी को आईपीएल की पहली नीलामी के 16 साल पूरे हो जाएंगे। इस मौके को यादगार बनाने के लिए आईपीएल की टेलीविजन प्रसारक 'स्टार स्पोर्ट्स' ने पूर्व दिग्गज क्रिकेटरों और करीब 70 पत्रकारों की मदद से आईपीएल की सर्वकालिक महान टीम का चयन किया। इसके चयन पैनल में वसीम अकरम, मैथ्यू हेडन, टॉम मूडी और डेल स्टेन जैसे दिग्गज पूर्व क्रिकेटर शामिल थे। ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक डेविड वार्नर और भारत के महान खिलाड़ी विराट कोहली को सलामी बल्लेबाज के रूप में चुना गया जबकि 'यूनिवर्सल बॉस' क्रिस गेल को बल्लेबाजी क्रम में नंबर तीसरा स्थान दिया गया है। मध्यक्रम में सुरेश रैना, एबी डिविलियर्स, सूर्यकुमार यादव और धोनी शामिल को जगह मिली है जबकि हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा और कीरोन पोलार्ड 15 सदस्यीय टीम में तीन ऑलराउंडर है। राशिद खान, सुनील नरेन और युजवेंद्र चहल को स्पिन गेंदबाज के तौर पर चुना गया है जबकि लसिथ मलिंगा और जसप्रीत बुमराह दो तेज गेंदबाज है।

### आईपीएल की सर्वकालिक टीम

महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), विराट कोहली, क्रिस गेल, डेविड वार्नर, सुरेश रैना, एबी डिविलियर्स, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, कीरोन पोलार्ड, राशिद खान, सुनील नारायण, युजवेंद्र चहल, लसिथ मलिंगा और जसप्रीत बुमराह।

### धोनी के पास कप्तानी के नैसर्गिक गुण

*दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, 'कप्तानी के लिए धोनी के नाम पर सहमति बनना तय था। उन्होंने हर खिताब जीता है। विश्व कप, आईपीएल, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी। उनमें कप्तानी के नैसर्गिक गुण है और मैदान के बाहर और अंदर उन्होंने चीजों को शानदार तरीके से निपटा है।' ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और कोच टॉम मूडी ने धोनी की उल्लेखनीय उपलब्धि पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'धोनी ने अच्छी टीम के अलावा औसत टीम के साथ भी खिताब जीता है। यह उसके कप्तानी के गुण के बारे में बताता है। रोहित शर्मा भी अच्छा कप्तान है लेकिन मुंबई इंडियंस के पास हमेशा शानदार खिलाड़ी रहे हैं।'*

केवल फिल्मों में ही नहीं हकीकत में भी इंसान और मशीन का हाइब्रिड तैयार हो चुका है, वो भी आज से ढाई दशक पहले। वह कौन इंसान है, जिसने खुद को मशीनी मानव बनना स्वीकार किया, उस रूपांतरण के बाद उसके जीवन में क्या कुछ बदलाव आया। वह मशीनी मानव वाली दुनिया का भविष्य कैसा देखता है? इन सवालों के जवाब आपको रोमांच से भर देंगे।

# ऐसे बना दुनिया का पहला मशीनी मानव

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

वह व्यक्ति अपने कमरे के दरवाजे के सामने आता है, तो दरवाजा अपने आप खुल जाता है। वह अपनी कुर्सी पर अभी ठीक से बैठ भी नहीं पाता कि उसकी टेबल पर लगा लैंप खुद-ब-खुद ऑन हो जाता है। उसका कंप्यूटर, उसकी अनुपस्थिति में आई ई-मेल्स को उसके सामने कर देता है ताकि वह व्यक्ति उन पर एक नजर डाल ले। अगर शाम को अंधेरा हो रहा हो और वह व्यक्ति अपने कमरे से टहलता हुआ बरामदे तक आता है तो बरामदे की लाइटें अपने आप जल जाती हैं, इसके लिए ना तो उसे किसी इशारे की जरूरत होती है, ना ही ताली बजाने जैसी कोई हरकत करनी पड़ती है। यही स्थिति तब होती है, जब वह अपनी कार के पास पहुंचता है। वह व्यक्ति अपनी कार के दरवाजे के सामने आया नहीं कि कार का दरवाजा अपने आप खुल जाता है।

जो कुछ यहां बताया गया वो ना तो किसी भूत-प्रेत या चमत्कारी सिद्ध पुरुष का जिक्र है, ना ही किसी फिल्मी नायक की गाथा और ना ही किसी रोमांचक उपन्यास का अंश। यह सच्ची कहानी उस साइबरनेटिक प्रोफेसर केविन वारविक की है, जो आज की ब्रेन चिप न्यूरालिंक के जिक्र से करीब 26 साल पहले घटित हुई थी। आज की तारीख में प्रो. केविन वारविक कोवेंट्री और रीडिंग यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं।

## कौन हैं प्रोफेसर वारविक

प्रो. केविन वारविक एक चार्टर्ड इंजीनियर और इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के फेलो भी हैं। उनके अनुसंधान क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(एआई), रोबोटिक्स और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग शामिल हैं। वह ना केवल ऊपर वर्णित चमत्कारों को अंजाम देते हैं, बल्कि दुनिया के ऐसे इंसान भी हैं, जिनका दिमाग कंप्यूटराइज्ड मशीन की तरह फंक्शन करता है। उनकी याद्दाश्त में उनके दिमाग के साथ उनके शरीर में इंजेक्ट कंप्यूटर चिप की भी भूमिका है। वह एक साथ, एक ही समय में कई लोगों से संवाद कर लेते हैं क्योंकि वह आधे इंसान हैं और आधे कंप्यूटर। जी हां, दुनिया के पहले मशीनी मानव यानी फर्स्ट सायबोर्ग।

## निश्चय किया मशीनी मानव बनना

दुनिया बदलने के लिए खुद को सायबोर्ग यानी मशीनी मानव में परिवर्तित करने की प्रो. वारविक की यह कहानी 26 साल पहले 24 अगस्त 1998 को शुरू हुई थी। तब प्रो. वारविक 44 साल के थे। लंदन के पश्चिमी छोर पर स्थित रीडिंग विश्वविद्यालय के साइबरनेटिक्स विभाग के प्रो. वारविक ने एक दिन अचानक यह निर्णय लिया कि वह अपने शरीर में कंप्यूटर चिप्स प्रत्यारोपित कराएंगे, ताकि अपने आपको किसी प्रोग्राम की तरह स्वयं संचालित कर सकें। वे पिछले बीस सालों से दिन-रात इसी उधेड़बुन में खोए रहते थे कि आदमी को मशीन की तरह किस तरह आटोमेटेड किया जा सकता है? प्रो. वारविक की दिन-रात की इस धुन को देखकर उनके कई सहकर्मी और विश्वविद्यालय के लोग उन्हें पीठ पीछे अर्धपागल तक कहते थे। प्रो. वारविक को अपनी इन उपमाओं और पीठ पीछे उड़ाए जाने वाले मजाकों को लेकर कोई चिंता नहीं थी। वह जानते थे कि दुनिया में हर आविष्कारक को पहले इस तरह की व्यंग्योक्तियां तो झेलनी ही पड़ती हैं, इसलिए उन्होंने इस सब पर कान नहीं दिया और अपने काम में लगे रहे। उनकी प्रतिभा पर किसी को शक तो नहीं था, लेकिन उन्होंने जो घोषणा की थी, वह किसी भी कल्पना से ज्यादा फंतासीपूर्ण थी। इसीलिए उस पर लोगों को सहज विश्वास नहीं हो रहा था। उन पर अगर कोई पूरी तरह से या कुछ हद तक विश्वास कर रहा था तो वह उनकी पत्नी इरिना ही थीं। इरिना खुद कंप्यूटर की विशेषज्ञ हैं और प्रो. केविन वारविक की तमाम कल्पनाओं, प्रयोगों में भागीदार भी।

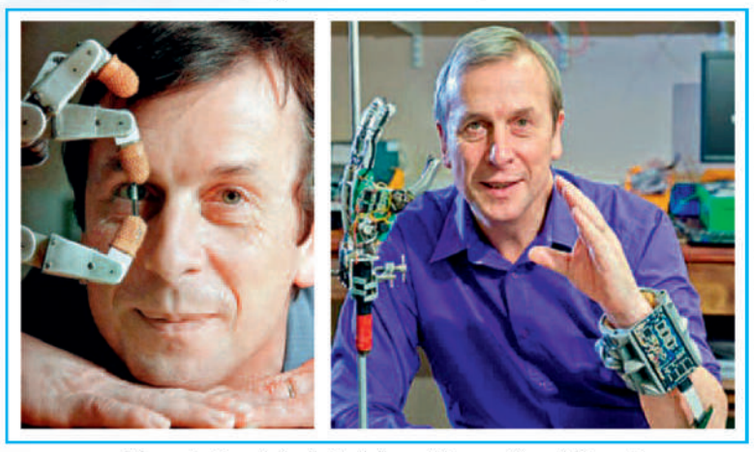

माइक्रोचिप्स ट्रांसपोंडर को देखते और रोबोट आर्म के साथ प्रोफेसर केविन वारविक

## आए हैं कई तरह के बदलाव

मजेदार बात यह है कि 1998 में जब प्रो. वारविक ने अपने शरीर में दो चिप प्रत्यारोपित कराए थे, तब से अब तक उनके शारीरिक क्षरण में काफी कमी आई है। इसे दूसरे शब्दों में यह कह सकते हैं कि उनके बुढ़ापे की दर में धीमापन आया है। लंदन के एनाटॉमी इंस्टीट्यूट ने उनके शरीर का पिछले 25 सालों में कई बार चेकअप किया और पाया है कि दूसरे आम आदमियों के मुकाबले उनके शरीर के क्षरण 20 से 25 प्रतिशत तक की गिरावट हुई है।

प्रो. वारविक के इर्द-गिर्द रहने वालों का मानना है कि जब से प्रो. वारविक ने अपने शरीर में चिप्स प्रत्यारोपित करवाई है, तब से उनमें जज्बात की दर और क्षमता दोनों ही बढ़ गई हैं। पहले प्रो. वारविक अपने दोस्तों को कभी-कभार ही फोन करते थे लेकिन अब वह ना केवल नियमित रूप से अपने दोस्तों को फोन करते हैं बल्कि उन्हें अपने दोस्तों की जिंदगी से जुड़ी छोटी-छोटी बात भी याद रहती है। प्रो. वारविक अपने दोनों बच्चों को भी पहले से ज्यादा तरजीह देते हैं। उनकी पत्नी की तो वारविक के शरीर में प्रत्यारोपित इन चिपों ने दुनिया ही बदल दी है। पहले जहां प्रो. वारविक अपनी पत्नी का जन्मदिन मुश्किल से भी याद नहीं रख पाते थे, वहीं अब वह एक बार भी अपनी पत्नी का जन्मदिन नहीं भूलते।

यह पूछे जाने पर कि आदमी को मशीन बनने की जरूरत क्यों है? प्रोफेसर वारविक कहते हैं, 'इसलिए क्योंकि अगर आदमी ने लापरवाही बरती तो सन् 2050 तक इंटेलीजेंट मशीन दुनिया पर कब्जा कर लेगी। इंसान, मशीनों का गुलाम हो जाएगा, इससे बचने का एक ही उपाय है आदमी खुद सायबोर्ग यानी मशीनी मानव बन जाए।' तो क्या भविष्य में मशीन, इंसान से ज्यादा बुद्धिमान हो सकती है? इसके जवाब में वारविक आगाह करते हैं, 'हमें इस आशंका की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। ऐसे में प्रत्यारोपण की तकनीक इस आशंका से पार पाने में कारगर भूमिका निभा सकती है। हम अपनी ताकत बढ़ाकर ही किसी ताकतवर का मुकाबला कर सकते हैं।' *

## ऐसे हुआ ऐतिहासिक रूपांतरण

24 अगस्त 1998 को वह ऐतिहासिक क्षण आ गया, जब प्रो. वारविक का सफल ऑपरेशन हुआ और उनकी बाईं बांह में चिप इंस्टाल कर दी गई। जब मीडिया वालों ने प्रो. वारविक से पूछा कि इस सबसे क्या होने वाला है, तो प्रो. ने किसी दार्शनिक की तरह अबूझ सा उत्तर दिया, 'वास्तव में मुझे खुद नहीं पता कि क्या होने जा रहा है लेकिन कुछ ऐसा जरूर होगा कि दुनिया बदल जाएगी।' तीन एमएम मोटी और तीन सेंटीमीटर लंबी माइक्रोचिप्स ट्रांसपोंडर जो प्रो. वारविक की बांह से नीचे लगाई गई, वह एक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक क्वाइल से जुड़ी थी। यह मामूली सी चीज प्रो. वारविक की समूची दुनिया को बदलने के लिए काफी थी। जैसे ही उनके शरीर के अंदर मौजूद चिपों की तरंगें उनके पर्सनल कंप्यूटर से टकराती हैं, तो वह स्वतः ही खुल जाता है। उन्हें कभी यह बताने की जरूरत नहीं पड़ती कि वह अपने ऑफिस में पहुंच गए हैं। उन्होंने ना केवल अपने विभाग के तमाम कंप्यूटरों से अपने आपको कनेक्ट कर रखा है, बल्कि उनके घर में मौजूद कंप्यूटरों का भी हमेशा उनके साथ संबंध बना रहता है।

# अतीत से आज तक बना है कार का रुतबा

देश में कार को आए सवा सौ साल से अधिक का समय बीत चुका है। लेकिन उसका रुतबा जैसे उस दौर में था, आज भी लगभग वैसा ही बना हुआ है। भले ही इससे शहरों में ट्रैफिक जाम बढ़ रहा है, पर आम लोगों के बीच कार का मालिक बनना, किसी सपने जैसा ही है।

{ सोशल स्टेटस / निकहत कुंवर }

देश के पहले कार मालिक महाराजा पटियाला राजिंदर सिंह और उनकी कार

यह 18वीं शताब्दी के अंतिम दिन थे। सिनेमा का आविष्कार हो चुका था और यह प्रायोगिक स्तर पर फ्रांस से लेकर भारत तक लोगों को चकित कर रहा था। ठीक उन्हीं दिनों भारत में एक और क्रांति हो रही थी। यह क्रांति थी, पहली बार भारत की किसी सड़क पर कार के चलने की। हालांकि दुनिया में तो पहली बार कार सन् 1885 में ही अस्तित्व में आ चुकी थी, जब जर्मनी के एक आविष्कारक कार्ल बेंज ने पहली बार एक पैसेंजर कार बनाई और 1886 में उन्होंने इसका पेटेंट भी हासिल कर लिया। उस जमाने में यह कार 1,000 डॉलर की थी। लेकिन भारत की सड़कों पर कार क्रांति करीब एक दशक बाद 1897 में हुई, जब पहली बार फोस्टर नाम के एक अंग्रेज, जो द क्राम्पटन ग्रीव्स कंपनी के बॉस थे, ने कार खरीदी थी।

**पहले भारतीय कार के मालिक :** साल 1898 में जमशेद जी टाटा ने फोस्टर से वह कार खरीद ली। इस तरह वह पहले भारतीय बन गए, जिन्होंने अपनी कार खरीदी। लेकिन अगर विदेश से भारत आने वाली पहली कार की बात करें तो यह साल 1892 में फ्रांस में बनीं डी डायोन बाउटन थी, जो कि एक स्टीम कार थी। इसका पंजीकरण नंबर जीरो था। इसे महाराजा पटियाला राजिंदर सिंह द्वारा आयात किया गया था। लेकिन भले यह पुराना और ऐतिहासिक किस्सा हो, लेकिन कार आज भी समृद्ध भारतीयों का ही नहीं बल्कि आम भारतीयों के लिए भी उनके सबसे हसीन सपनों में से एक है।

**भारत में बढ़ी है कारों की संख्या :** भले भारत आज दुनिया का आठवां सबसे बड़ा कार बाजार है। साल 2021-22 में भारत में 2 करोड़ 20 लाख 93 हजार वाहनों का उत्पादन हुआ, जिनमें बड़ी संख्या में कारें भी थीं लेकिन सबसे ज्यादा दुपहिया वाहन थे। लेकिन इतने बड़े पैमाने पर उत्पादन के बावजूद आज भी देश में 1,000 लोगों के पीछे सिर्फ 25 भाग्यशाली लोग ही हैं, जिनके पास अपनी कारें हैं। जबकि अमेरिका, यूरोप और विकसित जापान में 1,000 लोगों में औसतन 700 लोगों के पास कारें हैं। अमेरिका और जर्मनी में तो कई बार कारों की संख्या यहां की जनसंख्या से भी ज्यादा हो चुकी है। जबकि साल 2019-21 की 'इंडिया इन पिक्सेल' ने नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की एक रिपोर्ट के अनुसार लिखा था कि भारत में 7.5 फीसदी लोगों के पास कारें हैं। भारत में सबसे ज्यादा कारें गोवा के लोगों के पास हैं, करीब 45.2 फीसदी गोवा के लोग कार के मालिक हैं। दूसरे नंबर पर इस सर्वे के मुताबिक केरल है, जहां 24.2 फीसदी लोगों के पास अपनी कारें हैं। इसके बाद दिल्ली 19.4 फीसदी कार स्वामियों के साथ तीसरे नंबर पर है। जहां तक अन्य प्रदेशों की बात है तो राजस्थान में 8.2, उत्तर प्रदेश में 5.5, मध्य प्रदेश में 5.3 और बिहार में 2.0 फीसदी लोगों के पास अपनी कारें हैं।

**आम भारतीयों का सपना है कार:** भारत में आज भी बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जिनके पास अपनी कार नहीं हैं। इसीलिए एक आम भारतीय अपनी जिंदगी में, जो सपने देखता है, उसमें सबसे पहले एक नौकरी का सपना होता है, फिर एक घर का और तीसरे नंबर पर यह हसीन सपना कार से संबंधित होता है। यह अकारण नहीं है कि आज भी जब किसी भारतीय के घर में कार खरीदी जाती है, तो बकायदा घर के दरवाजे पर उसकी पूजा होती है, उसे हल्दी और कुमकुम से तिलक किया जाता है, उस पर नजरबट्टू बांधा जाता है और आस-पड़ोस के लोगों को कार खरीदे जाने की मिठाइयां बांटी जाती हैं। दफ्तर के लोग कार खरीदने वाले से पार्टी लेते हैं और कार खरीदने वाले को उसके दूर-दूर तक के रिश्तेदार उसे इस उपलब्धि के लिए बधाइयां देना नहीं भूलते। ऐसा सिर्फ भारत में ही होता है। यही नहीं भारत, दुनिया में शायद ऐसा देश है, जहां लोगों की इज्जत कार होने से बढ़ जाती है।

लब्बोलुआब यह कि भारत में आज भी कार एक स्टेटस सिंबल है। हालांकि कार से जो जीवनशैली संबंधित बुनियादी फायदे होते हैं, भारत के भीड़-भाड़ वाले शहरों में वो फायदे पूरी तरह से नहीं मिलते, क्योंकि भारत में हर बड़ा शहर ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझ रहा है। इसलिए यह तो नहीं कहा जा सकता कि कार रखने से स्टेटस सिंबल के अलावा तेज रफ्तार जीवनशैली में भी बहुत सुविधा होती है। फिर भी जो भारतीय कार खरीदने की क्षमता रखता है, वह तुरंत कार खरीद लेता है, क्योंकि कार आज भी अपना रुतबा रखती है। *

{ कविता / पुरुषोत्तम व्यास }

# उम्मीद

शब्द नहीं दीप की तरह
होती है उम्मीद
ना हो कुछ पर उम्मीद
संग जी सकते हैं हम
आज नहीं कल अंधकार हटेगा
सोचकर नए सपने बुन सकते
आशा को मन में पाले
हर बात पर इठलाता
कठिन डगर पर मुस्कुराते
चलता चला जाता
उम्मीद रखने वाला...
नाउम्मीद इंसान आंसू ही
बहाते जाता
निराशा के गीत गाता।
उम्मीद वाले के हृदय में
बसेरा परमात्मा का होता..
जीवन का दीप जगमगाता।

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

# कश्मीर की कहानियां

अपने सैन्य जीवन के ढाई दशक से अधिक के कार्यकाल में से पंद्रह वर्ष कश्मीर में गुजारने वाले कर्नल सुशील तंवर ने अपने अनुभवों को कुछ कहानियों के रूप में 'मुखबिर' पुस्तक में संजोया है। उस दौरान आतंकी गतिविधियों और हमलों का सामना करने के लिए तंवर ने जिस मुस्तैदी से अपने शस्त्रों और खुफिया युक्तियों का इस्तेमाल किया, उतनी ही संजीदगी से उन्होंने अर्जित अनुभवों को कलम से कागज पर भी उतारा है। ये कहानियां किसी सैनिक के संस्मरण भर नहीं हैं, ये हमें कश्मीर में रहने वाले लोगों की मानसिकता, उनके मन में दबे भय, उनकी देशप्रेम की भावना और वहां के सामाजिक ताने-बाने को भी प्रकट करती हैं।

इस संग्रह में कुल जमा सत्रह कहानियां संकलित हैं। 'मुखबिर', 'नया सवेरा' और 'हम क्या चाहते..आजादी' जैसी कहानियां, कश्मीर में कार्यरत सैनिकों की बहादुरी, समझदारी के साथ उनके धैर्य और सौहार्दपूर्ण व्यवहार को सामने लाती हैं तो 'चॉकलेट', 'कोड वर्ड' और 'ये दिल' जैसी कहानियों में एक सैनिक के मन में मौजूद इंसानियत और संवेदनशीलता को भावुक तरीके से व्यक्त किया गया है। इन कहानियों से गुजरते हुए इस बात का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि संवेदनशील इलाकों में तैनात सुरक्षाकर्मियों को एक साथ किस तरह कई-कई स्तरों पर अपने दायित्व का निर्वहन करना पड़ता है। *

{ कहानी / प्रेमलता यदु }

आज के फ्लैट कल्चर से अलग, गुजरे जमाने के घर-आंगन रिश्तों को जोड़े रखने का एक माध्यम होते थे, उसके साथ ना भूलने वाली यादें जुड़ी होती थीं, जिसमें छुपे होते थे पारिवारिक मूल्य। इन्हें बिखरते जब रवी ने देखा तो विचलित और व्यथित हो गई। इसी मर्म पर केंद्रित कहानी।

# घर-आंगन

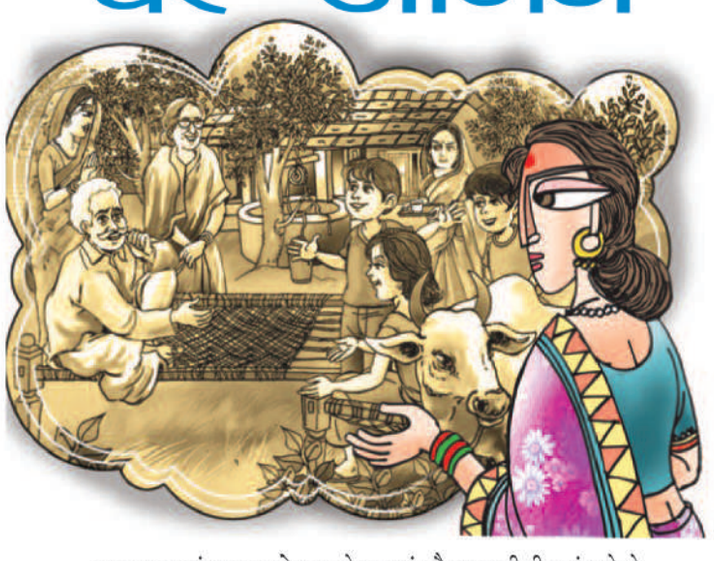

बारिश की पहली फुहार से फ्लैट की गैलरी के गमलों में लगे चंद पौधों की मिट्टी से आती सौंधी-सौंधी महक, रवी के मन को बेचैन करने लगी। उसे मंदसौर के अपने उस घर का आंगन स्मरण हो आया, जहां कभी उसने पहली बार दुल्हन के रूप में अपने पग धरे थे।

मिट्टी का वह आंगन चारों ओर से सगे-संबंधियों, नाते-रिश्तेदारों, आस-पड़ोस और मित्रों के हंसी-ठिठोलियों से गूंज रहा था। वहां उपस्थित स्त्रियां सिर पर घूंघट काढ़े और उस घूंघट को यथावत रखने की कोशिश में घूंघट का छोटा-सा हिस्सा दांतों से दबाए हुए, अलग-अलग गतिविधियों में व्यस्त थीं। मिट्टी वाले उस आंगन के एक ओर कुछ बुजुर्ग महिलाएं ढोलक बजाती हुई पारंपरिक मंगल गीत गा रही थीं, उनके गीतों में एक अलग ही आत्मीय मिठास थी, जिसमें वे सभी अपने बहुमूल्य आशीर्वाद के सौगातों की बौछार कर रही थीं। उसी आंगन में कुछ छोटे बच्चे खेलते, ढोलक की थाप पर ठुमकते हुए भी नजर आ रहे थे। उस दिन घर का वह आंगन अपनी मिट्टी में ना जाने क्या-क्या समेटे हुए था।

उस आंगन की माटी में एक अद्भुत शक्ति थी, आकर्षण था, तभी तो अभी-अभी अपने घर और अपने परिवार को छोड़ कर आई रवी का भारी और समुद्र की तरह उफान मारता अशांत मन, आंगन में पहुंचते ही शांत सरोवर में तब्दील हो गया। जहां कुछ घंटों पूर्व तक रवी अपने घर, अपने मायके की शरारती चुलबुली छुटकी थी, उस घर के आंगन में पांव रखते ही धीर-गंभीर और बड़ी बहू के रूप में स्वतः ही परिवर्तित हो गई।

वैसे तो घर के भीतर का हर एक कोना अनगिनत स्मृतियों पर अपना कब्जा जमाए बैठा होता है, किंतु घर के आंगन की भी अपनी एक अलग ही विशेषता और पहचान होती है, जिसे नजरअंदाज किसी भी सूरत में नहीं किया जा सकता, जैसे जाड़े के दिनों में गुनगुनी धूप में सखियों के संग बतियाना, गर्मी के मौसम में विभिन्न प्रकार के अचार, पापड़ और बड़ियों का बनाना, यह सब ऐसी सुखद अनुभूतियां हैं, जिसे वही समझ सकता है, जिसने इन खुशनुमा पलों को जिया हो। रवी ने तो अपने जीवन के पूरे बारह वर्ष उस आंगन में बिताए हैं, उसमें पड़ने वाले धूप-छांव को बड़े करीब से देखा है।

रवी ने अपने दोनों बच्चों को घुटनों के बल उस आंगन में चलते, गिरते, उठते, संभलते और आंगन की मिट्टी में खेलते हुए देखा है। अपने देवर अनुज की शादी, ननद महक की विदाई, सब कुछ तो उसी आंगन की गोद में समाहित है। आंगन की शान और जान वह खूबसूरत तुलसी का चौरा, जो आंगन के बीचों-बीच स्थापित है, जिस पर जल चढ़ाए बिना रवी ने कभी जल ग्रहण नहीं किया, भला यह सब वह कैसे बिसरा सकती है, लेकिन आज हालात कुछ और ही हैं। समय के वेग के संग सब कुछ बदल चुका है। दोनों बच्चों की पढ़ाई, पति वेदांत की पदोन्नति और स्थानांतरण, रवी को अब यहां इस इंदौर शहर में ले आई है।

यहां एक ओर जहां रवी को अपना आंगन मजबूरी में छोड़ना पड़ा, वहीं दूसरी ओर अभी कुछ ही महीने बीते थे कि उसके देवर और देवरानी को भी भोपाल शिफ्ट होना पड़ा, क्योंकि दोनों ही कामकाजी थे। दोनों का दफ्तर भी वहीं भोपाल में था। देखते ही देखते हंसता-खेलता, मुस्कुराता, चहचहाता आंगन सूना हो गया, केवल मां और बाबू जी ही वहां अकेले रह गए। रवी के बहुत मनुहार पर मां, बाबू जी उनके पास रहने इंदौर तो आए, लेकिन लाख जतनों के बावजूद उनका मन श्री बेडरूम, हॉल, किचन वाले शानदार फ्लैट में नहीं लगा। मां बाबूजी को खुली हवाएं मिट्टी की खुशबू और आंगन में बैठ कर चाय की चुस्कियां लेना पसंद था, जो कि यहां इस फ्लैट में संभव नहीं, इसलिए वे दोनों वापस लौट गए। शुरू-शुरू में सारा परिवार तीज-त्यौहारों और परिवारिक आयोजनों में इकट्ठे होते। मंदसौर के आंगन में फिर वही पुरानी रौनक लौट आती, लेकिन फिर धीरे-धीरे व्यस्तता और समय का अभाव उसे भी निगल गया और मां बाबूजी के इस दुनिया को अलविदा कहते ही तीज-त्यौहार, मेल-मिलाप सब महज एक औपचारिकता में परिवर्तित हो गए। सभी अपने-अपने घरों तक सिमट कर रह गए और खुशियों का वह आंगन कहीं खो गया। बस सोशल मीडिया पर हर पर्व और अपनेपन का बहुत शोर मचता, लेकिन घर का सूना आंगन सिसकियां भरता।

रवी अपने ही विचारों में गुम थी कि वेदांत की आवाज आई, 'अरे भई रवी, तुम्हारा नाश्ता बना कि नहीं, अनुज और महक आते ही होंगे, उनके आते ही हमें नाश्ता करके तुरंत निकलना होगा। आज तो सौदा पक्का करके ही आना है, ये बार-बार ऑफिस से छुट्टी लेकर मंदसौर जाना सिर दर्द बन गया है।'

वेदांत की बातें सुन रवी की आंखें डबडबा गईं, वह रुंधे कंठ से बोली, 'नाश्ता तैयार है, उनके आते ही मैं लगा दूंगी।'

रवी का मन पानी बिन मछली की तरह छटपटा रहा था। वह समझ नहीं पा रही थी कि आखिर वह ऐसा क्या करे, जिससे मंदसौर का घर-आंगन बिकने से बच जाए, क्योंकि तीनों भाई-बहनों ने मिल कर यह तय कर ही लिया था कि अब उन्हें मंदसौर का घर बेचना ही है। कुछ ही देर में अनुज और महक भी आ पहुंचे। सभी को नाश्ता परोस, रवी भी वहीं बैठ गई। अरसे बाद यूं तीनों भाई-बहनों को इकट्ठे साथ बैठकर नाश्ता करता देख रवी के मन में एक विचार आया, वह बोली, 'मैं आप सभी से कुछ कहना चाहती हूं।'

यह सुन महक बोली, 'हां भाभी बोलिए ना क्या कहना चाहती हैं?'

रवी हिचकती हुई बोली, 'मंदसौर वाला घर मत बेचिए।'

रवी का इतना कहना था कि अनुज तुरंत बोला, 'अरे भाभी आप कैसी बातें कर रही हैं। भैया और मेरे पास इतना समय कहां है कि हम उस घर की देख-रेख कर सकें और फिर महक भी तो अपने ससुराल में व्यस्त है। बिना देख-रेख के घर खंडहर होता जा रहा है। आपको मालूम भी है, पिछली बार जब हम वहां गए थे, आंगन में इतने खर-पतवार उग आए थे कि उसकी सफाई में ही कितने रुपए खर्च हो गए। घर की साफ-सफाई में अलग से खर्चा हुआ। वैसे भी हम सब अपने-अपने घरों में रहते हैं। अब तो तीज-त्यौहारों में भी वहां जाना नहीं होता, बेकार ही पड़ा है वह मकान।' अनुज के जवाब पर वेदांत और महक ने भी सहमति जताई। रवी पल भर के लिए शांत हो गई फिर बोली, 'क्यों ना हम ऐसा करें कि उस घर के लिए एक केयरटेकर रख लें, इससे घर की साफ-सफाई और देखरेख भी हो जाएगी और हम सब जब चाहें अपनी छुट्टियां भी वहां बिताने जा सकते हैं। तीज-त्यौहार साथ मिलकर मना सकते हैं।'

रवी के ऐसा कहने पर महक भावुक हो गई, बोली, 'आप ठीक कहती हैं भाभी, ऐसा करने पर मैं भी रक्षाबंधन के दिन एक ही समय में एक ही जगह पर अपने दोनों भाइयों की कलाइयों पर राखी बांध सकती हूं। इसी बहाने हम तीनों का बचपन भी लौट आएगा, जो कहीं गुम हो गया है।'

महक से यह सुन वेदांत और अनुज की आंखें भर आईं, जिसे दोनों ही छुपाने लगे। वेदांत बोला, 'अच्छा तो चलो, चल कर केयरटेकर रख आते हैं और आज से यह तय रहा कि सारे त्यौहार मंदसौर के ही घर पर मनाए जाएंगे। जब भी मौका मिलेगा, हम सब अपनी छुट्टियां भी वहीं बिताएंगे।' वेदांत का इतना कहना था कि सभी मंदसौर के लिए निकल पड़े। रवी जैसे ही घर के आंगन में पहुंची, पड़ोस की राधा चाची उसे देखते ही बोलीं, 'कैसी हो रवी बिटिया? मकान का सौदा पक्का हो गया क्या?' रवी मुस्कुराते हुए नमस्ते कहकर उनका अभिवादन करके बोली, 'चाची घर का सौदा पक्का नहीं हुआ है, बल्कि इस घर और आंगन से जुड़े रहने का इरादा पक्का हो गया है।'

इतना कह कर सफाई वाले के आने का इंतजार किए बिना ही रवी आंगन की सफाई में लग गई। यह देख महक भी रवी का हाथ बंटाने लगी, सभी को अपना खोया हुआ घर-आंगन मिल गया था। *

# सफाई कर्मचारियों को ऑनलाइन हाजिरी से मुक्त रखा जाए : जिला अध्यक्ष रोशन लाल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सोमवार को उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ गाजीपुर के बैनर तले ऑनलाइन उपस्थिति से मुक्त रखे जाने सहित अन्य मांगों के निराकरण हेतु विशाल मोटरसाइकिल रैली जिला अध्यक्ष रोशन लाल के नेतृत्व में निकाली गई। मोटरसाइकिल रैली विकास भवन गेट से प्रारंभ होकर सिंचाई विभाग चौराहा होते हुए कचहरी स्थित सरजू पांडे पार्क पहुंची और सफाई कर्मचारी संघ द्वारा माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, अपर मुख्य सचिव पंचायती राज विभाग एवं निदेशक पंचायती राज विभाग उत्तर प्रदेश लखनऊ को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा गया। इस दौरान जिला अध्यक्ष रोशन लाल ने कहा कि सफाई कर्मचारियों की सभी मांगे जायज हैं जिसे सरकार द्वारा पूरा किया जाना चाहिए। प्रमुख मांगों के संबंध में जिला अध्यक्ष रोशन लाल ने कहा कि सफाई कर्मचारियों को ऑनलाइन हाजिरी से मुक्त रखा जाना चाहिए क्योंकि अधिकतर सफाई कर्मी अनपढ़ व साक्षर हैं और उनके पास स्मार्टफोन नहीं है न ही स्मार्टफोन चलाने का ज्ञान है। जिला अध्यक्ष रोशन लाल ने आगे कहा कि सफाई कर्मचारियों से उनके मूल कार्य के साथ-साथ भिन्न-भिन्न तरह के कार्य अलग-अलग जगह पर लिए जाते हैं जैसे चुनाव के दौरान मत पेटिकाओं, ईवीएम मशीनों को ट्रैकों पर लोडिंग अनलोडिंग का कार्य, भिन्न-भिन्न तरह के सर्वे कार्य, बीएलओ कार्य, जनपद स्तर प्रदेश स्तर के कार्यालयों में लिपिकीय कार्य, गोवंश पकड़ने का कार्य, खाना बनाने का कार्य, अर्दली का कार्य, माली कार्य, हाईवे सड़कों की सफाई, हवाई अड्डे की सफाई, कपड़ा प्रेस करना, बाल बनाना इत्यादि जिसके कारण सफाई कर्मचारियों को ऑनलाइन उपस्थित देने में अत्यधिक कठिनाई होगी। जिला महामंत्री अजय सिंह कुशवाहा ने कहा कि सफाई कर्मचारियों को नियुक्ति के 14 पूर्ण होने के बावजूद भी विभागिय सेवा नियमावली नही बनाई गई है। अतिशीघ्र सेवा नियमावली जानी चाहिए। प्रांतीय उपाध्यक्ष जयप्रकाश बिंद उर्फ गुड्डू ने कहा कि सफाई कर्मचारी को प्रमोशन का लाभ दिया जाना चाहिए। जिला कोषाध्यक्ष विनोद चौधरी ने कहा कि हम लोगों की सभी मांगे जायज हैं इसे पूरा किया जाना चाहिए। जिला संगठन मंत्री इम्तियाज अहमद ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाल किया जाना चाहिए। जिला संप्रेक्षक मुकेश कुमार रावत ने कहा कि यदि हम लोगों की मांगों को पूरा नहीं किया जाता है तो प्रांतीय संघ के आह्वान पर प्रदेश मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। रैली में प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष रोशन लाल, महामंत्री अजय कुशवाहा, प्रांतीय उपाध्यक्ष जयप्रकाश बिंद उर्फ गुड्डू, जिला कोषाध्यक्ष विनोद चौधरी, जिला संगठन मंत्री इम्तियाज अहमद, जिला लेखाकार मुकेश कुमार रावत, ब्लॉक अध्यक्ष शंकर वर्मा राम, सिहासन राम, चंद्रिका राम, राजकुमार भारती, राजनाथ राम, महिला मोर्चा अध्यक्ष संतोषी राय, मंत्री जानकी कनौजिया, उपाध्यक्ष सीमा भारती, कुसुम चौबे, जिला संयुक्त मंत्री कामेश्वर रावत, कार्यकारिणी सदस्य महेश भारती, तहसील अध्यक्ष सुग्रीव राम बागी, फगुनी राम, नरसिंह प्रसाद, कृष्ण मुरारी, जितेंद्र गोंड, रामप्रवेश गौतम, रामप्यारे चौरसिया, दिलीप श्रीवास्तव, रमेश गुप्ता, गजेंद्र राम बिंद, अवधेश राम, राकेश मौर्या, सुनील पटेल, जयप्रकाश भारती, अच्छेलाल, अनिल यादव, पूर्व जिला मंत्री पंकज यादव, ललन राम, राजेंद्र, रामनगीना सिंह यादव, विनोद राम, राजेश यादव, तुलसी राम, पंचमी राम, दीपक, अनिता, बेबी सिंह, शांति देवी, आरती देवी, लीलावती, प्रमिला, चिंता, माधुरी, गायत्री, आलोक राव, अनिल सिंह यादव, सूबेदार, उषा देवी, श्यामा गिरी, देवेंद्र नाथ राम बब्बन राम, कुसुम देवी, सहित सैकड़ों सफाई कर्मचारी उपस्थित रहे।अंत में जिलाध्यक्ष रोशन लाल ने सभी सफाई कर्मचारी साथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

## अपर आयुक्त वाराणसी ने किया तहसील पत्रावलियों की जांच

जखनियां गाजीपुर। स्थानीय तहसील कार्यालय में अपर आयुक्त वाराणसी के मनोज सिंह द्वारा तहसील की उप जिला अधिकारी , तहसीलदार, व नायब तहसीलदार के न्यायालय की पत्रावलियों की जांच की गई। जांच के दौरान कर्मचारियों मे हडकंप मचा रहा । इन्होने तहसील के रिकॉर्ड रूम , नजारत, भूलेख कार्यालय, संग्रह कार्यालय में रखे गए पत्रावलियों की गहनता से निरीक्षण किया । साथ ही कार्यालय के साफ-सफाई व निरीक्षण मे खामियों को दूर करवाने के साथ ही जांच के दौरान पत्रावलियों को क्रमबद्ध ढंग से रखरखाव की नसीहत दी । तथा समाधान दिवस में आई शिकायतों का निस्तारण करवाने का आदेश दिया, कहा कि संबंधित अधिकारी बिना मौका निरीक्षण किये निस्तारण न करें। ताकि शिकायतकताओं को कोई समस्या ना हो। उप जिलाधिकारी को कहा कि सभी तहसील स्तरीय अधिकारी सुबह 10 से 12 बजे तक अपने कार्यालय में जनसुनवाई करने के लिए नियमित बैठे ताकि दूर दराज से आने वालों की शिकायत को आसानी से सुना जा सके। उनके साथ मौके पर उप जिलाधिकारी कमलेश कुमार सिंह, तहसीलदार ध्रुवेश सिंह , नायव तहसीलदार रहे ।

# अराजक तत्वों ने तोड़ी संविधान निर्माता डा. भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा से उंगली

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्थानीय थाना के गजपतपुर गांव में रविवार के रात गजपतपुर नहर तिराहे के पास स्थित संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा के उंगली को अराजक तत्वों ने तोड़ दिया। सोमवार की सुबह अंबेडकर की प्रतिमा की उंगली टूटी हुई देखकर दलित समाज के लोग भड़क उठे। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। लोगों को समझाकर हालात काबू में किए। जानकारी के मुताबिक, संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा के उंगली को अराजक तत्वों ने तोड़ दिया। इसके बाद घटनास्थल पर सैकड़ों की संख्या में पहुंचे दलित समाज के लोगों ने सरकार विरोधी नारे लगाए। पुलिस से प्रतिमा ताड़ने वालों को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की। स्थिति तनावपूर्ण होने पर मरदह थानाध्यक्ष वागीश विक्रम सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने अक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर हालात को काबू में किया। मरदह थानाध्यक्ष वागीश विक्रम सिंह ने बताया कि रविवार की रात में अराजक तत्वों ने अंबेडकर की प्रतिमा का वह हाथ तोड़ दिया, जिसकी एक उंगली अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के संकेत देती है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दलित समाज के लोगों से बात की। क्षतिग्रस्त प्रतिमा को सही कराया जा रहा है। बताते चलें कि इसके पहले भी संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को कई बार क्षतिग्रस्त किया गया है । घटना स्थल पर भारी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए। ग्राम प्रधान इंदल राव के द्वारा अज्ञात लोगों के खिलाफ मरदह थानाध्यक्ष वागीश विक्रम सिंह को तहरीर दी गई है । वहीं मरदह थानाध्यक्ष वागीश विक्रम सिंह ने बताया कि अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर प्राप्त हुई हैं । तहरीर के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## विषाक्त पदार्थ खाने से 32 वर्षीय युवक की इलाज के दौरान मौत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नगसर नेवाजू राय में बीते रविवार की देर रात को विषाक्त पदार्थ खाने से अचेतावस्था में अस्पताल में भर्ती कमलेन्द्र कुमार राय उम्र करीब 32 वर्ष की इलाज के दौरान बीती देर रात को मौत हो गई, इस घट?ना के बाद से मां माधुरी राय सहित अन्य परिजनों में जहाँ कोहराम मच गया, वहीं गाँव में घटना के बाद से ही सन्नाटा पसरा हुआ है। युवक की मौत की सूचना मिलते ही नगसर हाल्ट थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच परिजनों से जानकारी लेने के बाद मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के उपरांत पोस्टमार्टम के लिए भेंज दिया। मृत युवक के पिता ठाकुर दयाल ने बताया कि उनके दो पुत्र है, जिनमें मृतक छोटा था, बताया कि वह गाँव पर ही एक कार्यक्रम में गये थे, वहीं उन्हें घर से सूचना मिली कि उनका छोटा पुत्र कमलेन्द्र कमरे में अचेत पडा है, जिसके मुख से झाग निकल रहा है, उन्होंने बताया कि सूचना के तुरंत बाद वह घर पहुंचे जहाँ आनन फानन में वाहन से उसे रेवतीपुर सीएचसी ले गये। पिता ने बताया कि वहाँ प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टर ने हालत खराब देख उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया, बताया कि वहाँ ले जाने पर चिकित्सक ने उनके पुत्र को मृत घोषित कर दिया। ठाकुर दयाल राय ने पुलिस को दिए सूचना में बताया कि उनके पुत्र की अभी शादी नहीं हुई थी। वह पढने में काफी होनहार था तथा बीसीए कर एयरटेल कम्पनी में कार्यरत था, मगर वह इस नौकरी से खुश नहीं था, छोड वह दूसरी नौकरी की तलाश में जुट गया, मगर मन मुताबिक नौकरी न मिलने से वह पिछले करीब छह महीने से काफी परेशान चल रहा था जिसके चलते उसने यह कदम उठा लिया । नगसर हाल्ट थानाध्यक्ष भूपेन्द्र कुमार निषाद ने बताया कि मृतक के शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेंजा गया है, साथ ही मामलें की छानबीन की जा रही है।

# कांग्रेस कमेटी ने आयकर विभाग का गांधीवादी तरीके से किया विरोध प्रदर्शन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी तथा युवा कांग्रेस के बैंक खातों को सीज किए जाने के विरोध में जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी ने आज 19 फरवरी सोमवार को दिन में 1 बजे से प्रदेश कमेटी के निर्देश पर गाजीपुर के मोहनपुरवा स्थित आयकर कार्यालय का घेराव कर गांधीवादी तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कार्यकताओं और नेताओं ने तख्ती और नारों से आयकर विभाग को सरकार के दबाव में असंवैधानिक कार्य न करने का नारा बुलंद किया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे जिलाध्यक्ष सुनील राम ने बताया कि हाल ही में क्राउड फंडिंग के द्वारा आमजन से सहायता राशि प्राप्त की गई थी। जिसे आयकर विभाग ने पक्षपात पूर्ण ढंग से भाजपा सरकार के दबाव में सीज कर दिया है, ऐसे खातों को सीज करने का भाजपा सरकार का रवैया लोकतंत्र विरोधी है। जिसकी हम घोर निन्दा करते हैं। एआईसीसी सदस्य रविकांत राय ने बताया कि वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा एआईसीसी और यूथ कांग्रेस के क्राउड फंडिंग खाते को मनमाने और द्वेषपूर्ण रवैए के चलते आयकर विभाग पर दबाव बनाकर फ्रीज करा दिया है, जो गलत और असंवैधानिक है, पूर्व प्रदेश सचिव जनक कुशवाहा ने कहा कि सरकार के दबाव में सरकारी एजेंसियां गलत कार्य कर रही हैं, इसलिए हमलोग यहां आयकर कार्यालय का घेराव कर सही कार्य करने के लिए विभाग के सामने प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस वक्ताओं ने प्रदर्शन कर आयकर अधिकारियों से मांग की है कि सरकार के दबाव में नहीं संवैधानिक रूप से सही और नीतिगत कार्य करें। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पीसीसी सदस्य डॉ मार्कंडेय सिंह, अजय कुमार श्रीवास्तव, महबूब निशा एवं उषा चतुर्वेदी, चंद्रिका सिंह, राजेश गुप्ता, आलोक यादव,, सुमेर कुशवाहा, ओम प्रकाश पांडे, जफरुल्लाह अंसारी, आशुतोष गुप्ता, परवेज खान , विद्याधर पांडे, शशि भूषण राय, झुन्ना शर्मा, शबीहूल हसन, आदिल अख्तर,रईस अहमद, विनोद सिंह, विजय शंकर पांडे, प्रदीप निषाद, रविन्द्र चौहान, सुशील सिंह, प्रकाश नारायण पांडे, राहुल कुशवाहा आदि लोग उपस्थित रहे।

# जेसीआई जौनपुर चेतना ने चलाई संसदीय प्रणाली की प्रशिक्षण कार्यशाला

प्रखर जौनपुर। जेसीआई जौनपुर चेतना टी डी कॉलेज रोड स्थित एक सभागार में सभापति एवं संसदीय प्रणाली की एक प्रशिक्षण कार्यशाला चलाई गई जिसमें मंडल प्रशिक्षक जेसीआई सीनेटर विशाल गुप्ता द्वारा संस्था के सदस्यों को इस पाठ्यक्रम के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण देते हुए मंडल प्रशिक्षक जेसीआई सीनेटर विशाल गुप्ता ने कहा इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य अध्यक्ष को बैठकों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने और टीम के सदस्यों को बैठकों में संसदीय प्रक्रियाओं को सीखने और लागू करने में सक्षम बनाना है।इस अवसर पर अध्यक्ष जेसी मीरा अग्रहरि ने कहा कि हम बैठक तो एक अंतराल पर करते ही रहते हैं लेकिन प्रभावी ढंग से बैठकों को करना एक विशेष कला है जो की जेसीआई द्वारा ही सिखाया जाता है। साथ ही कहा कोरम,मतदान,एजेंडा आदि के बारे में आज मंडल प्रशिक्षक द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई जिसका प्रयोग करके संस्था एवं संस्था सदस्य अपनी बैठक तथा नियमित जीवन में भी उपयोग कर अपने व्यक्तित्व को प्रभावशाली बना सकते हैं। इस बैठक में संस्थापक अध्यक्ष मेघना रस्तोगी पूर्व अध्यक्ष चारू शर्मा तथा पूर्व अध्यक्ष कल्पना केसरवानी कोषाध्यक्ष मीना गुप्ता, इंदिरा जायसवाल, शिल्पी जायसवाल, सरिता बैंकर, सारिका सेठ, प्रतिमा गुप्ता, ममता गुप्ता, रिंकी जायसवाल, राजकुमारी मोदनवाल, अनीता गुप्ता, शारदा गुप्ता, ममता कश्यप, ज्ञानेश्वरी गुप्ता, गायत्री जायसवाल, संचित बैंकर, सरला महेश्वरी,ज्योति शाह,सुधा बैंकर,चेतन साहू,विभा गुप्ता,रजनी साहू,आदि उपस्थित रही कार्यक्रम का संचालन सचिव वंशिका सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक अनीता गुप्ता ने किया।

# मंत्री के दही खाने की क्षेत्र में जोरदार चर्चा

## रामचंदीपूर के पूर्व प्रधान बद्री यादव के घर सुबह खाई थी दही

प्रखर वाराणसी। योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने रामचंद्रपुर में अपने रात्रि प्रवास की सुबह पूर्व प्रधान बद्री यादव के घर जाकर दही का निमंत्रण खाया था। उनके इस प्रकार से जाकर दही खाने की चर्चा क्षेत्र में लगातार जोर पकड़ रही है गौरतलब है कि बद्री यादव समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता हैं और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जब 2012 में साइकिल यात्रा निकाली थी तो बद्री यादव के घर जाकर उन्होंने भोजन भी किया था। पिछले दो विधान सभा चुनावों से बद्री यादव लगातार शिवपुर से समाजवादी पार्टी का विधानसभा टिकट मांगते लगातार मांग रहे हैं। ऐसे में शिवपुर विधानसभा से विधायक और योगी सरकार में मंत्री अनिल राजभर का उनके घर जाकर दही खाना क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। नए राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए यह कयास लगाया जा रहा है कि चंदौली लोकसभा क्षेत्र में आने वाली शिवपुर विधानसभा में इस बार अनिल राजभर की नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनावों में बड़ी लकीर खींचने जा रही है। बता दे की शिवपुर विधानसभा के अंतर्गत आने वाला रामचंदीपुर ग्राम सभा ढाब क्षेत्र में आता है जहां बारिश के दिनों में जब गंगा उफान पर होती है तो यह पूरा इलाका पानी के चपेट में रहता है। ऐसे में वहां के नागरिकों की समस्याएं कई तरह की होती हैं। इस समय जिस तरह से योगी पीड़ितों के बीच मजबूती से काम करती है वह अपने आप में उल्लेखनीय है। मंत्री अनिल राजभर और प्रदेश सरकार के लगातार प्रयास की वजह से वहां पर करोड़ों की योजनाएं चल रही हैं। इस साल होने वाले लोकसभा चुनावो से ठीक पहले इस तरह की राजनीति चंदौली लोकसभा के लिए अलग संदेश है। पूर्व प्रधानबद्री यादव के घर पहुंचाने वालों में मुख्य रूप से किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष प्रवीण रघुवंशी, मंत्री प्रतिनिधि संजय सिंह, अखिलेश, पंकज, प्रमोद, नीरज, शेखर, अमित, विशाल सहित सैकड़ो की संख्या में समर्थक और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## गाजीपुर के शिक्षक गण शैक्षिक संवाद मंच उत्तर प्रदेश के मंच पर हुए सम्मानित

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान चित्रकूट उत्तर प्रदेश एवं शैक्षिक संवाद मंच द्वारा आयोजित तीन दिवसीय शैक्षिक संगोष्ठी एवं शिक्षक सम्मान समारोह में शिक्षा व साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के चयनित शिक्षकों को सम्मानित किया गया। विद्यालय में अपने नवाचारी प्रयासों से सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले जिले के उच्च प्राथमिक विद्यालय तेतारपुर सैदपुर के सहायक अध्यापक प्रदीप कुमार को शब्द साधक सम्मान, सदर की शिक्षिका रिम्पू सिंह को शब्द साधक और गिजुभाई बघेल का सम्मान और समरेन्द्र बहादुर को शब्द साधक सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पद्मश्री उमाशंकर पाण्डेय जी, राज्य हिंदी संस्थान उत्तर प्रदेश वाराणसी के शोध प्रवक्ता डॉ० प्रदीप जायसवाल जी, आईटीबीपी के डिप्टी कमाण्डेट कमलेश कमल जी, समाजसेवी गोपाल भाई जी, साहित्यकार बाबूलाल दीक्षित जी, प्रमोद दीक्षित 'मलय' जी और छत्तीसगढ़ के राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक ईश्वरीय सिन्हा आदि उपस्थित रहें।

## संक्षिप्त खबरें

### यशवर्धन राय मेमोरियल फाउंडेशन ने जरूरतमंदों को बांटा कम्बल

प्रखर कुशीनगर। यशवर्धन राय मेमोरियल फाउंडेशन ने जरूरतमंदों की सेवा के क्रम में सोमवार को फाउंडेशन के अध्यक्ष सीए सचिन्द्र राय के मार्गदर्शन में कुशीनगर के समीप स्थित प्राथमिक विद्यालय पकवाइनार भर टोली में कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन कर आस पास के जरूरतमन्दों को कम्बल भेंट किया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित पत्रकार व सामाजिक कार्यकर्ता हृदयानंद शर्मा ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा पुनीत कार्य है। फाउंडेशन द्वारा किया जा रहा कार्य प्रशंसनीय है। सक्षम लोगों और संस्थाओं को जरूरतमंदों की सेवा में बढ़ चढ़कर सहभागिता करनी चाहिए। विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजेश शुक्ल ने उपस्थित लोगों का आभार प्रकट किया। संचालन प्रबंधक डॉ0 हरिओम मिश्र ने किया। इस अवसर पर शिक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह, माया देवी, सीमा देवी, इंदू देवी, सरोज देवी, कांति देवी, गीता देवी आदि उपस्थित रहे।

### 10 किलो गांजा, एक वाहन बलेनो के साथ 4 अभियुक्त चढ़े जमानियां पुलिस के हत्थे

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन में एवं क्षेत्राधिकारी जमानियाँ के निकट पर्यवेक्षण में सोमवार को प्रभारी निरीक्षक श्यामजी यादव मय हमराहियान के तलाशपुर मोड के पास चेकिंग के दौरान समय करीब 00.30 बजे रात्रि में अभियुक्त गण के पास से एक अदद चार पहिया वाहन मोटर कार बलेनो डेल्टा वाहन संख्या MP66ZC1923 व 10 किलोग्राम नाजायज गांजा बरामद हुआ। अभियोग पंजीकृत कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेशी हेतु रवाना किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण में जयवन्त भारती पुत्र श्रीरामलाल भारती निवासी दुद्धी चुआँ थाना विन्ध्यनगर जनपद सिगरौली राज्य मध्य प्रदेश उम्र करीब 26 वर्ष, सूर्य प्रताप वर्मा पुत्र स्व0 चन्द्रप्रताप वर्मा निवासी बनौली थाना विन्ध्यनगर जनपद सिगरौली राज्य मध्य प्रदेश उम्र करीब 25 वर्ष, विक्रम साकेत पुत्र नर्मदा प्रसाद साकेत निवासी कचनी थाना बैढ़न जिला सिगरौली राज्य मध्य प्रदेश उम्र करीब 24 वर्ष, शिवम कुमार पुत्र मुन्नीलाल साकेत निवासी दुद्धी चुआँ थाना विन्ध्यनगर जनपद सिगरौली राज्य मध्य प्रदेश उम्र करीब 22 वर्ष। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में निरीक्षक श्री श्यामजी यादव प्रभारी निरीक्षक थाना जमानियाँ, उप निरीक्षक सुनील कुमार थाना जमानियाँ, कांस्टेबल मनोज दुबे थाना जमानियाँ जनपद, कांस्टेबल रतन कुमार थाना जमानियाँ, कांस्टेबल कुन्दन गौड़ थाना जमानियाँ, कांस्टेबल शाहिद खाँ थाना जमानियाँ जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

### अपर्णा फाउंडेशन एवं रोट्रेक्ट क्लब विद्यमा वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान मे प्रकृति मित्र और 'मेरी प्रकृति मेरा साथी' कार्यक्रम के तहत मोहिनी देवी रुंगटा शिशु मंदिर में निःशुल्क पौधा का वितरण

वाराणसी। अपर्णा फाउंडेशन एवं रोट्रेक्ट क्लब विद्यमा वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में 19 फरवरी सोमवार को प्रकृति मित्र और 'मेरी प्रकृति मेरा साथी' कार्यक्रम के तहत महमूरगंज स्थित श्रीमती मोहिनी देवी रूंगटा शिशु मंदिर मे निःशुल्क पौधा वितरण का आयोजन किया गया। अपर्णा फाउंडेशन के अध्यक्ष पवन केशरी ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति उत्साहित करते हुए कहा की नई पीढ़ी पर इसकी रक्षा करने का भार आ पड़ा है इसे अपना एक आवश्यक कर्तव्य समझ कर इसका पालन करें` विद्यमा फाउंडेशन के संस्थापक रोटेरियन डॉ अजय दूबे ने बच्चों को पेड़ पौधे के महत्व से परिचित कराया। संस्था के संरक्षक एन के भगत ने इस पुनीत प्रयास पर धन्यवाद ज्ञापन करते हुए पेड़ पौधों के अस्तित्व को बनाए रखने की अपील की` राजेन्द्र केशरी, सुबोध चंद्र राय, रोट्रेक्ट विद्यमा के प्रेसिडेंट सुधीर दूबे एवं सेक्रेट्री राजेश दुबे, महेश, दिलीप कुशवाहा उपस्थित थे ,कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक विवेक मिश्रा का योगदान सराहनीय रहा। कार्यक्रम में 600 से ज्यादा बच्चों को पौधे भेंट किए गए और उनके रोपने व रखरखाव करने का संकल्प दिलाया गया` साथ ही प्रकृति मित्र से जुड़ने के लिए अपील की गई अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य सतीश कुमार सिंह ने किया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं